PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 187 ● भिलाई, शनिवार 31 जनवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

सेंट्रल मार्केट पर बुलडोजर की आहट, सुप्रीम कोर्ट के आदेश से घबराए दुकानदार

मेरठ। मेरठ के शास्त्रीनगर के सेंट्रल मार्केट मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश से व्यापारियों में मायूसी है। मंगलवार को सर्वोच्च अदालत ने अपने 17 दिसंबर 2024 के निर्णय को बरकरार रखते हुए अभी तक कार्रवाई न होने पर कड़ा एतराज जताया था। अदालत ने छह सप्ताह में ध्वस्तीकरण कर रिपोर्ट दाखिल करने के आदेश दिए हैं। वहीं बुधवार शाम तक ऑर्डर अपलोड नहीं हुआ। व्यापारियों का कहना है कि आदेश पढ़ने के बाद रणनीति बनाकर व्यापार बचाने के लिए काम करेंगे। उधर, आवास एवं विकास परिषद की ओर से अवैध निर्माणों के नोटिस भी तैयार किए गए। आरटीआई कार्यकर्ता लोकेश खुराना की ओर से दाखिल की गई अवमानना याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई थी। लोकेश खुराना के अधिवक्ता तुषार जैन ने बताया कि अदालत ने निर्देश दिए कि छह सप्ताह के भीतर अन्य समस्त अवैध निर्माणों को ध्वस्त करके ध्वस्तीकरण की कंप्लायंस रिपोर्ट याचिकाकर्ता के वकील के माध्यम से कोर्ट को उपलब्ध कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विनीत शारदा अग्रवाल ने कहा कि व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए पार्टी आलाकमान से मिलेंगे।

होटल में घुसकर मालिक की गोली मारकर हत्या

मुर्शिदाबाद। जिले के समसेरगंज में तब हड़कंप मच गया जब बुधवार रात कुछ अज्ञात हमलावरों ने एक होटल व्यवसायी की गोली मारकर हत्या कर दी। उक्त वारदात से इलाके में दहशत फैल गई। यह गोलीबारी राष्ट्रीय राजमार्ग के पास न्यू डाकबंगला इलाके में हुई, जहां पीड़ित पर कई गोलियां चलाई गईं। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान राहुल बिस्वास (34) के रूप में हुई है, जो समसेरगंज के तारबागान का निवासी था। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, वह पहले बीड़ी के पत्तों का कारोबार करता था और हाल ही में उसने राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे एक होटल खोला था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, राहुल जब उक्त रात अपने होटल के अंदर थे जब अचानक हथियारबंद बदमाश अंदर आए और उन्होंने उन पर करीब से गोलीबारी की।

अमित शाह ने डिब्रूगढ़ में और क्या किया ऐलान

असम की चाय टैरिफ फ्री होगी 27 देशों में निर्यात...शाह

असम/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज यानी 30 जनवरी 2026 को असम के डिब्रूगढ़ में विकास का नया अध्याय शुरू किया। उन्होंने न केवल 1715 करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया, बल्कि असम की पारंपरिक पहचान चाय और नदियों को लेकर दूरदर्शी रोडमैप भी पेश किया। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल की मौजूदगी में शाह ने डिब्रूगढ़ को असम की दूसरी राजधानी के गौरव से नवाजा। अमित शाह ने डिब्रूगढ़ की मिट्टी को नमन करते हुए कहा कि यहां के चाय बागान श्रमिकों ने भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ को मजबूत किया है। सबसे बड़ी घोषणा करते हुए उन्होंने बताया कि भारत ने यूरोपीय संघ के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (स्न्ङ्ग) किया है। अब असम की चाय बिना किसी अतिरिक्त टैक्स (टैरिफ) के यूरोप के 27 देशों में पहुंचेगी। इससे चाय बागान मालिकों के साथ छोटे श्रमिकों को भी सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा। अमित शाह ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले घोषणाएं सिर्फ चुनावी वादे बनकर रह जाती थीं। उन्होंने कहा कि 2025 में मुख्यमंत्री ने जो समावेशी असम का वादा किया था, वह आज जमीन पर दिख रहा है। मोदी जी के दिल में असम बसता है और डिब्रूगढ़ अब पूरे असम की सांस्कृतिक और प्रशासनिक राजधानी के रूप में पहचाना जाएगा। गृह मंत्री अमित शाह ने असम की सबसे बड़ी समस्या

बाढ़ पर बात करते हुए कहा कि सरकार नदियों के पानी को नियंत्रित करने और उसे विकास से जोड़ने के लिए बड़े तालाब बनाने की योजना पर काम कर रही है। इससे न केवल बाढ़ रुकेगी, बल्कि राज्य में डेयरी उद्योग (मत्स्य पालन और दुग्ध उत्पादन) को भी नई ताकत मिलेगी। जीरो टैरिफ एग्रीमेंट से असम की चाय की लागत अंतरराष्ट्रीय बाजार में कम होगी, जिससे श्रीलंका और केन्या जैसे प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले भारतीय चाय की मांग बढ़ेगी। डिब्रूगढ़ में नई विधानसभा भवन की आधारशिला रखना यह दर्शाता है कि भाजपा ऊपरी असम को प्रशासनिक केंद्र बनाकर क्षेत्र का विकेंद्रीकरण कर रही है। 1715 करोड़ रुपये के निवेश से कनेक्टिविटी और स्थानीय सुविधाओं में सुधार होगा, जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इस विवाद पर कांग्रेस भी बैकफुट पर रहने के मूड में नहीं है। पार्टी का कहना है कि राहुल गांधी ने कार्यक्रम की शुरुआत में गमछा पहना था, जिसे बाद में सहजता के लिए उतार दिया। कांग्रेस ने भाजपा को घेरते हुए पूछा कि जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अन्य नेता भी उस वक्त बिना गमछे के थे तो केवल राहुल को निशाना क्यों बनाया जा रहा है? कांग्रेस ने इसे भाजपा की चुनिंदा और ओछी राजनीति करार दिया है।

तीसरे कार्यकाल का समर्थन देने की अपील की

शाह ने कहा, अगर असम में घुसपैठ को रोकना है तो भाजपा को तीसरे कार्यकाल के लिए चुनना होगा और मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के हाथ मजबूत करने होंगे। उन्होंने ऊपरी असम में घुसपैठ को रोकने में मिसिंग समुदाय की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि समुदाय की मेहनतकश जीवनशैली के कारण घुसपैठिए इस क्षेत्र में बस नहीं पाए। अमित शाह ने कहा, घुसपैठ रोकने के लिए हथियार उठाने की जरूरत नहीं है। आपकी मेहनत और जीवनशैली ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। गृह मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन के दौरान कई आदिवासी समुदायों को अपनी पहचान बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भाजपा सरकार मिसिंग समुदाय सहित अन्य आदिवासी समाजों की समस्याओं के समाधान के लिए केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त वार्ताकार के माध्यम से प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

अजीत पवार की विरासत अब सुनेत्रा पवार के कंधों पर?

एनसीपी में अब सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग तेज

मुंबई/ एजेसी

अजित पवार के उत्तराधिकारी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दो गुटों के विलय को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच, पार्टी शनिवार को विधायक दल की बैठक बुला सकती है। परिवार के करीबी सूत्रों के अनुसार, बैठक में अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा को गुट का नेता चुना जाएगा। अजित पवार की एनसीपी महाराष्ट्र सरकार में फड़णवीस के नेतृत्व वाली भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ गठबंधन में है। उनके चाचा शरद पवार और चचेरी बहन सुप्रिया सुले का एनसीपी गुट कांग्रेस और उद्धव

ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ विपक्ष में है। अपनी मृत्यु के समय, अजित पवार वित्त, योजना और राज्य उत्पाद शुल्क सहित कई महत्वपूर्ण विभागों के प्रभारी थे, साथ ही उनके पास खेल, युवा कल्याण और अल्पसंख्यक विकास का अतिरिक्त प्रभार भी था। ये सभी विभाग अब रिक्त हैं। वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेताओं ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस से मुलाकात की और पार्टी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के विभागों पर अपना दावा जताया। अजीत पवार का बुधवार को विमान दुर्घटना में निधन हो गया था। एनसीपी के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे और छगन भुजबल प्रमुख कैबिनेट पदों पर पार्टी का नियंत्रण बरकरार रखने के लिए फड़णवीस के 'वर्षा' बंगले पर पहुंचे। प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि हम पवार परिवार से बात करने के बाद और जनता की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए जल्द ही फैसला लेंगे।

सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत

जौनपुर। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में हुए सडक हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बुधवार की रात यादव नगर औरा में स्कार्पियो और बाइक की जोरदार टक्कर में बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। बताते है कि 30 वर्षीय गुड्डू पुत्र रामलाल निवासी यादव नगर और उनके 35 वर्षीय जीजा संतोष निवासी पोखरिया लाला बाजार, सिकरारा, जौनपुर तथा 14 वर्षीय आकाश उर्फ सिपाही बैटरी लेकर तीनों बाइक से जा रहे थे तभी यादव नगर औरा के पास सामने से आ रही स्कार्पियो ने बाइक की जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों की ही मौके पर ही मौत हो गई।

खरगे ने आरटीआई का फिर पैरवी किए

क्या मनरेगा के बाद आरटीआई को खत्म करना चाहती है सरकार

नयी दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आर्थिक समीक्षा में सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम का फिर से अध्ययन करने की पैरवी किए जाने का हवाला देते हुए शुक्रवार को कहा कि क्या सरकार मनरेगा के बाद अब इस कानून को खत्म करना चाहती है? संसद में बृहस्पतिवार को प्रस्तुत वर्ष 2025-26 की आर्थिक समीक्षा में लगभग दो दशक पुराने आरटीआई कानून का फिर से अध्ययन करने की वकालत की गई है, ताकि गोपनीय रिपोर्ट और मसौदों को सार्वजनिक किए

जाने से छूट प्राप्त हो।आर्थिक समीक्षा में यह भी कहा गया कि आरटीआई अधिनियम 2005 का मकसद कभी भी इसे व्यर्थ की जिज्ञासा का जरिया बनाने का नहीं था, न ही इसका मकसद बाहर से बैठकर सरकार के हर छोटे-छोटे काम में दखल देना या उसे नियंत्रित करना था। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, आर्थिक समीक्षा ने सूचना का अधिकार अधिनियम की फिर से अध्ययन करने की पैरवी की है। यह सूचना को रोकने के लिए संभावित मंत्री स्तरीय वीटो का सुझाव भी देती है और यह देखने की बात करती है कि क्या नौकरशाहों की सार्वजनिक सेवा से जुड़े रिकॉर्ड, तबादले और स्टाफ रिपोर्ट्स को सार्वजनिक निगरानी से बाहर रखा जा सकता है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार ने व्यवस्थित रूप से आरटीआई अधिनियम को कमजोर किया है। 2025 तक 26,000 से ज्यादा मामले लंबित हैं।

कोहरे के बीच ट्रक ने कार को मारी टक्कर

एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

ग्वालियर। ग्वालियर में घने कोहरे के बीच भीषण सड़क हादसा हो गया। भिंड रोड हाईवे पर बंटू ढाबा के सामने तेज रफ्तार ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। जानकारी के अनुसार सभी मृतक एक ही परिवार के सदस्य थे और भिंड जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। परिवार भिंड से ग्वालियर की ओर जा रहा था। सुबह करीब 8 बजे जैसे ही उनकी कार बंटू ढाबा के पास पहुंची, पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने कार को रौंद दिया। टक्कर के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क के दाहिने हिस्से में झाड़ियों में जा घुसा। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने चारों शवों को कार से बाहर निकालकर कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह घना कोहरा और तेज रफ्तार बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस ट्रक चालक की तलाश कर रही है और पूरे मामले की जांच जारी है। इस हादसे के बाद इलाके में कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा।

राजीव प्रताप रूडी के प्रयास से सोनपुर छपरा कनेक्टिविटी को नई दिशा

पटना । सारण सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी के प्रयासों से सोनपुर-छपरा कनेक्टिविटी को नई दिशा मिली है। केंद्र सरकार ने गंगा नदी पर नए सिक्स लेन सेतु के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मोर्थ के सचिव श्री वी? उमाशंकर की अध्यक्षता में सांसद रूडी की अधिकारियों के साथ बैठक हुई, जिसमें सोनपुर-छपरा साइड पर सर्विस रोड, यू-टर्न और नए रेलवे ओवरब्रिज का निर्णय लिया गया। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए संपर्क मार्ग को 6 लेन करने की संभावना है। एसवी लोडिंग अनुरूप नए आरओबी/वायाडक्ट निर्माण पर सहमति बनी है।

देश पर मौसम की तिहरी मार

9 राज्यों में कड़ाके की शीतलहर और 5 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट.....

नई दिल्ली। जनवरी अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है, लेकिन मौसम के लगातार बदलते मिज़ाज के चलते ठंड का असर बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार 30 जनवरी (शुक्रवार) से 2 फरवरी तक एक बार फिर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इसके प्रभाव से पहाड़ी इलाकों में बारिश और बर्फबारी शुरू होने की संभावना है। वहीं, अगले तीन दिनों तक उत्तर भारत के कई राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में गरज-चमक के साथ बारिश को लेकर

अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान कश्मीर से बिहार तक कई राज्यों में घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने और शीतलहर चलने की आशंका है, जिससे न्यूनतम तापमान में गिरावट के साथ ठंड और बढ़ेगी। उत्तर प्रदेश में 30 जनवरी से नए पश्चिमी विक्षोभ के असर दिखने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 24 घंटों में मौसम करवट ले सकता है और तेज़ी से बादलों की आवाजाही देखने को मिलेगी। 2 फरवरी तक पश्चिमी यूपी से लेकर पूर्वी यूपी तक गरज-चमक और बिजली के साथ बारिश मौसम बिगाड़ सकती है। आईएमडी ने करीब 22 से 25 जिलों में घने कोहरे की संभावना जताई है। वहीं, दिल्ली-एनसीआर में भी 31 जनवरी से मौसम बदलने और हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार 31 जनवरी से 2 फरवरी के बीच मध्य प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्सों में फिर से बारिश की गतिविधियां शुरू हो सकती हैं।

माफी की बात पीछे छूटी....

शंकराचार्य का योगी को चैलेंज....हिंदू होने का प्रमाण दें मुख्यमंत्री, गौ-संरक्षण को लेकर 40 दिन का अल्टीमेटम

प्रयागराज/ एजेंसी

ज्योतिर्मठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज माघी पूर्णिमा पर संगम में डुबकी लगा सकते हैं। लखनऊ के कुछ उच्चाधिकारियों ने शंकराचार्य से संपर्क कर उन्हें मनाने की कोशिश शुरू कर दी है। अधिकारी शंकराचार्य से माघी पूर्णिमा पर संगम में स्नान के लिए आग्रह कर रहे हैं। शंकराचार्य ने स्नान करने के लिए कई शर्तें भी अधिकारियों के सामने रख दी हैं। जिसमें मौनी अमावस्या को अभद्रता करने वाले अधिकारी लिखित में माफी मांगें, संन्यासियों, बटुकों, ब्राह्मणों, साधु-संतों और वृद्धों की पिटाई करने वाले पुलिस कर्मियों और अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई के साथ एफआईआर हो, गाय माता को राज्यमाता घोषित किया जाए और चारों शंकराचार्यों के स्नान के लिए प्रोटोकॉल बने समेत ये चार मांग की हैं। यह सभी चार मांगें मानने पर ही शंकराचार्य ने स्नान की बात कही है। इसकी पुष्टि शंकराचार्य के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शैलेंद्र योगीराज सरकार ने की है। मौनी अमावस्या पर संगम स्नान करने जा रहे ज्योतिष्ठ पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के रथ को पुलिस प्रशास ने संगम जाने से रोक दिया। उनके रथ और जुलूस को रास्ते में रोकने पर माहौल तनावपूर्ण हो गया। रथ रोकने पर शंकराचार्य के समर्थक साधु-संतों और पुलिस में तीखी नोकझोंक हो गई। अधिकारियों ने कहा कि पैदल जाकर स्नान करें, जिस पर विवाद और बढ़ गया। घटना के बाद देखते ही देखते पूरा संगम क्षेत्र पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। गृह सचिव मोहित गुप्ता, मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल, पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार और अन्य पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों पर शंकराचार्य ने संन्यासियों, ब्राह्मण बटुकों और साधु संतों के साथ मारपीट करने और उनकी चोटी पकड़कर घसीटने और अपमानित करने का आरोप लगाया। घटना से मर्माहत शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज माघ मेले में त्रिवेणी मार्ग पर स्थित अपने बद्रिकाश्रम हिमालय शिविर के सामने सड़क के किनारे धरने पर रहे। यह धरना मौनी अमावस्या 18 जनवरी से लेकर 27 जनवरी तक चला। वह अधिकारियों से माफी मांगने की जिद पर अड़े रहे, लेकिन किसी अधिकारी ने उनसे संपर्क नहीं किया। 28 जनवरी को शंकराचार्य माघ मेला छोड़कर वाराणसी के लिए रवाना हो गए। मौनी अमावस्या की घटना के बाद धरने पर बैठे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज को प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने नोटिस जारी करके पूछा था कि साबित करें की आप ज्योतिष्ठ मठ के शंकराचार्य हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा रखी है तो आप क्यों नाम के आगे शंकराचार्य लिख रहे हैं। मेला प्रशासन यहीं नहीं रुका उसने शंकराचार्य को दूसरा नोटिस जारी कर माघ मेले में आवंटित उनकी भूमि को निरस्त करने की चेतावनी दी थी। साथ ही शंकराचार्य का मेला में आजीवन प्रवेश प्रतिबंधित करने की भी चेतावनी दी गई।जिस पर काफी बवाल हो गया। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव समेत कई दलों के नेताओं ने शंकराचार्य के विरोध का समर्थन किया और सरकार को कोसा।

रिकॉर्ड हाई के बाद भारी बिकवाली

चांदी 80,000 और सोना 25,000 टूटा

नई दिल्ली। एमसीएक्स पर गोल्ड और सिल्वर की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई छूने के बाद शुक्रवार को दोपहर के सत्र में जोरदार बिकवाली के दबाव में आ गईं। निवेशकों की मुनाफावसूली और वैश्विक संकेतों के असर से दोनों कीमती धातुओं में 12 फीसदी तक की गिरावट देखी गई, जिससे बाजार में हलचल तेज हो गई। एमसीएक्स पर अप्रैल फ्यूचर्स गोल्ड की कीमत 1.88 प्रतिशत गिरकर 1,80,499 प्रति 10 ग्राम पर खुली, जबकि पिछला बंद भाव 1,83,962 था। शुरुआती गिरावट

के बाद बिकवाली और तेज हुई और सोना करीब 12,000 प्रति 10 ग्राम यानी 6.5 प्रतिशत से ज्यादा टूट गया। एक दिन पहले ही एमसीएक्स गोल्ड 1,93,096 प्रति 10 ग्राम के ऑल-टाइम हाई पर पहुंचा था। सोने के मुकाबले चांदी में करेक्शन कहीं ज्यादा तीखा रहा।

CMYK

रक्तदान व लर्निंग लाईसेंस शिविर में हेलमेट वितरण, कैंप में 36 को चश्मा वितरण, 90 ने किया रक्तदान

हेलमेट संगवारी एवं प्रेस क्लब डोंगरगांव का आयोजन

डोंगरगांव नगर। नगर के पुराना सरकारी अस्पताल परिसर में आयोजित हेलमेट जागरूकता, रक्तदान तथा लर्निंग लाइसेंस शिविर में बड़ी तादाद में नागरिकों ने जागरूकता दिखाई। शिविर में आयुष 52, होम्योपैथी 35, 110 का नेत्र जांच कर 36 को चश्मा वितरण किया गया। कुल 152 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया। 42 का बीपी जांच एवं 40 लोगों का शुगर जांच किया गया। शिविर में ही 77 लोगों का लाइसेंस बनाया गया। 90 लोगों ने रक्तदान किया। शिविर में विधायक दलेश्वर साहू ने अपनी

धर्मपत्नी जय साहू के साथ सहभागिता प्रदान की। सडक़ सुरक्षा जागरूकता माह के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में बतौर अतिथि एसडीओपी मंजूलता बाज, नगर पंचायत अध्यक्ष मती अंजू त्रिपाठी, नपं उपाध्यक्ष रोहित गुप्ता, मंडल भाजपा अध्यक्ष दीना पटेल, समाजसेवी व रक्तवीर फनेन्द्र जैन, दिनेश चंद नखत सहित अन्य प्रमुख जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। हेलमेट संगवारी साहू परिवार द्वारा प्रेस क्लब तथा नंदेश्वर गौशाला परिवार के सहयोग से लगातार दूसरे वर्ष इस शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित शिविर को संबोधित करते हुए एसडीओपी मती बाज ने कहा कि अपने घर में घटी घटना से प्रेरणा लेकर पिछले कई वर्शन से साहू परिवार निःशुल्क हेलमेट वितरण का कार्य कर रहा है, साहू परिवार का समाज मे योगदान अनुकरणीय व सराहनीय है। उन्होने कहा कि हेलमेट हमारा तो जीवन बचाता ही है, वरन् हमारे साथ जुड़े अनेक लोगों के जीवन को भी सुरक्षित करता है। कार्यक्रम में नपंअध्यक्ष मती अंजू त्रिपाठी, नपंउपाध्यक्ष रोहित गुप्ता, रक्तवीर फणेन्द्र जैन आदि ने भी संबोधित किया। स्वागत उद्बोधन में प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रेम गोस्वामी ने आयोजन की भूमिका पर सविस्तार प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान एसडीओपी मंजूलता बाज द्वारा उपस्थितजनों को हेलमेट जागरूकता हेतु शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान स्वैच्छिक रक्तदानदाताओं को हेलमेट तथा ड्राइविंग लाइसेंस हेतु पंजीयन कराने वालों को लर्निंग लाइसेंस प्रदान किया गया। विशेष सहयोग हेतु रक्तवीर फनेन्द्र जैन, आयोजन में सहभागी प्रेस क्लब, नंदेश्वर गौशाला सहित अन्य सहयोगियों का मूमेन्टो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन गजेंद्र हरिहारनो एवं लविन्द्र साव ने तथा आभार कार्यक्रम संयोजक तथा छग शासन द्वारा राहवीर सम्मान से सम्मानित धर्मेन्द्र साहू ने किया। शिविर में नेत्र जांच के बाद निःशुल्क चश्मा का भी वितरण किया गया। शिविर स्थल पर बीपी, शुगर आदि की जांच सहित अनेक हितग्राहियों को मुफ्त में दवाइयां वितरित की गई। कार्यक्रम में हेलमेट संगवारी परिवार की प्रेरणास्त्रोत मती कुमारी बाई साहू, बीएमओ डॉ. रागिनी चन्द्रे, टीआई आशीर्वाद राहटगांवकर, यातायात विभाग के वास्तव, लक्ष्मीनारायण सेन, कोमल साहू, पदमिनी ठाकुर, निर्मला मालेकर, राजा जैन, प्रेस क्लब के बालकृष्ण सिन्हा, गोविन्द गुप्ता, महेंद्र लेंझारे, दिवाकर सोनी, घनश्याम साव, टिंकू देवांगन, देवेन्द्र गुप्ता व प्रकाश गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे।

संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा मे शामिल हुए जनसेवक शिवम तिवारी

बेमेतरा। ग्राम अकोला में चल रहे श्रीमद् भागवत कथा मे शामिल हुए जनसेवक भाजपा कार्यकर्ता शिवम तिवारी व्यास पीठ पर आसीन पंडित राकेश शास्त्री से आशीर्वाद लेकर क्षेत्र के सुख समृद्धि का कामना किये। इस अवसर पर अखिलेश शास्त्री माखन प्रसाद शुक्ला उज्जवल तिवारी ऋषब शुक्ला उपस्थित थे।

ठग ने जीवनसाथी एप के द्वारा महिला शिक्षिका से ठगे 2.29 लाख, एफआईआर

बालोद। जिलें में एक बार ठगी का मामला सामने आया है, एक महिला शिक्षिका ठगी का शिकार हुई है, आरोपी ने अपने बातों का झांसा देकर 2.29 लाख से अधिक की ठगी की है। मामला 11 अप्रैल 2023 से 14 मई 2023 के बीच का है, जिस पर एफ़आईआर 28 जनवरी 2026 को किया गया है। पीड़ित महिला शिक्षिका का आरोप है कि 2023 में गुंडरदेही थाने में पदस्थ रहें तत्कालिक थाना प्रभारी एवं एक अन्य पुलिस महिला कर्मी की लापरवाही व अनदेखी की वजह से उनकी शिकायत पर एफ़आईआर दर्ज की कार्यवाही नही की गई। न ही किसी प्रकार का एक्शन लिया गया। प्राप्त जानकारी अनुसार दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल निवासी एक महिला शिक्षिका जो कि

बालोद जिले के गुंडरदेही मुख्यालय स्तिथ के प्राथमिक शाला में पदस्थ है, उन्होंने पुलिस को अपनी लिखित शिकायत में बताया कि 2023 में जीवनसाथी एप के द्वारा सिद्धार्थ आडवाणी के नाम से एक मैरिज रिक्वेस्ट एक्सपेट किया था, उक्त व्यक्ति ने एक हफ्ते तक महिला शिक्षिका और उनके माता पिता से अच्छे संबंध रखें, मधुर बातें की। फिर 26 अप्रैल 2023 को महिला शिक्षिका से कहा कि उसके पापा को हार्ट अटैक आया है, उन्हें रायपुर से मुंबई शिफ्ट करना पड़ रहा है। उसने महिला शिक्षिका और उनके माता-पिता के साथ अच्छे संबंध रखे थे, और बात करता था। जिसके बाद उक्त व्यक्ति ने महिला शिक्षिका से पैसों की मदद मांगी। महिला शिक्षिका ने उक्त व्यक्ति की बातों को सच मानते हुए धीरे-धीरे कई किश्तों में 2 लाख 29 हजार 450 रुपये फोन पे और गूगल पे के माध्यम से उसे दे दिए। 3 मई 2023 को उक्त व्यक्ति ने महिला शिक्षिका और उनके घरवालों से मिलने का वादा किया, दिन भर बात किया, परंतु 3 मई 2023 को करीबन साढ़े 8 बजे के बाद उक्त व्यक्ति ने महिला शिक्षिका और उनके घर वालों का किसी का कॉल नहीं उठाया। जिससे महिला शिक्षिका को धोखाधड़ी का एहसास हुआ। और उन्होंने इसकी शिकायत गुंडरदेही के तत्कालिक थाना प्रभारी से की, लेकिन शिकायत पर किसी भी प्रकार से कार्यवाही नही की गई। और आज 3 साल बाद उसी मामले में एफ़आईआर दर्ज किया गया हैं। शिकायत पर गुंडरदेही पुलिस ने आरोपी पर धारा 420 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया हैं। वही गुंडरदेही पुलिस ने आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने का दावा किया हैं।

1.47 लाख रुपये होल्ड हुआ

पीड़ित महिला शिक्षिका ने बताया कि सिद्धार्थ आडवाणी ने उन्हें एप के जरिए मैरिज रिक्वेस्ट भेजा था, दो दिन बात करने के बाद उसने मेरे पैरेंट्स से बात की। रोजाना दो घँटे से अधिक मेरे माता पिता से शादी के सम्बंध में बात करता था। 7 दिन बाद बात करने के बाद सिद्धार्थ ने कहा की उसके पापा को हार्ट अटैक आया है, और उसने रोकर पैसे मांगे। चूंकि वह माता पिता से बात करता था, तो मुझे ट्रस्ट हो गया, तो मैंने फोन पे और गूगल पे के माध्यम से कुल 2 लाख 29 हजार रुपये ट्रांसफर किये। उन्होंने बताया कि उन्होंने सिद्धार्थ से सिर्फ फोन पर बात की है। न ही मुलाक़ात की और न ही उसे वीडियो कॉल से देखा है। सिद्धार्थ ने बताया था कि वह रायपुर एयरपोर्ट में काम करता है। उन्होंने बताया कि 14 मई 2023 को गुंडरदेही के तत्कालिक थाना प्रभारी यादव और एसआई तिवारी को शिकायत की थी, लेकिन उन्होंने कुछ नही किया। उन्होंने कहा था कि पैसे ले लेनदेन में केस नही होता। मैं अकेले साइबर सेल भी गई थी। 1.47 लाख रुपये होल्ड भी हुआ है, लेकिन मूझे अभी पैसे नही मिले है।

कंतेली स्कूल में हुआ जोन स्तरीय विज्ञान मेला का आयोजन

बेमेतरा। विज्ञान मेला एक ऐसा मंच है जहाँ छात्र और शोधकर्ता अपने वैज्ञानिक मॉडल, प्रयोग और नवाचारी प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन करते हैं। यह विद्यार्थियों में वैज्ञानिक अभिरुचि, रचनात्मक सोच और अनुसंधान की भावना को प्रोत्साहित करता है। इस तरह के आयोजनों का उद्देश्य आम जनता के बीच वैज्ञानिक जागरूकता बढ़ाना और विज्ञान के व्यावहारिक प्रयोगों को प्रदर्शित करना होता है।इसी तारतम्य में जोन स्तरीय विज्ञान मेला का आयोजन कंतेली मिडिल स्कूल में आयोजित किया गया। जिसमें सिंघौरी, तिलईकुड़ा, बैजलपुर, निनवा और खिलोरा संकुल के बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कामिनी महिलांगे विकासखंड शिक्षा अधिकारी बेमेतरा सहित विशिष्ट अतिथि के रूप

में परसराम साहू (सहायक प्राध्यापक)प्रहलाद कुमार टिकरिहा(सहायक प्राध्यापक) एंव राजेन्द्र साहू बीआरसी बेमेतरा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संजय प्रसाद प्यासी प्राचार्य सिंघौरी ने की।इस मेला में मॉडल के रूप में सूक्ष्मदर्शी, जल का विघुत अपघटन, चुंबकीय - अचुंबकीय पदार्थों की पहचान, गैस के प्रसार, विघुत जनरेटर, धातु स्थापन, पौधों में परिवहन, वॉटर फिल्टर, कंकाल तंत्र, विघुत सुचालक एंव कुचालक जैसे अनेको की प्रदर्शनी लगाई गई। स्कूली बच्चों के साथ साथ शिक्षकों ने भी बच्चों से प्रश्नोत्तरी किये।इस दौरान धनीराम बंजारे, डोमेंद्र पांडेय, चैतराम सेन,आकाश सोनी,निलेश सोनी पूनम कुमार साहू संकुल समन्वयक सहित शिक्षक के रूप में संध्यावती शर्मा, सुनीता राजपूत,प्रशांत बघेल, कृष्णकुमार, निधि साहू, देवेंद्र साहू, नुतेश्वर चंद्राकर, प्रकाश सोनी, मीनाक्षी सोनवानी, नम्रता पांडेय, रघुवीर सिंह नेताम,हीरेन्द्र वर्मा, कनक गेन्द्रे एंव नेहा साहू अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से उपस्थित रहे।

जिले को गौरवान्वित करने वाली चार नवाचारी शिक्षिकाओं को राज्यपाल ने किया सम्मानित

बेमेतरा। दिव्यांगजनों के शैक्षणिक सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय पहल के अंतर्गत दिनांक 27 जनवरी को रायपुर स्थित राजभवन, सिविल लाइन में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल रमेन डेका ने अपने करकमलों द्वारा 卐दिव्यांग महिलाओं की सफलता की कहानी (ब्रेल पुस्तक) छत्तीसगढ़ के वीर (ब्रेल पुस्तक) दृष्टिबाधित बच्चों के लिए तैयार की गई 3100 + से अधिक ऑडियो बुक्स का विधिवत विमोचन किया। इस अभियान की शुरुआत राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका सुश्री के शारदा शा पूर्व मा शाला खेदामारा दुर्ग ने की। इस विचार के साथ कि दृष्टिबाधित बच्चों के लिए शिक्षा को सरल और सुलभ बनाया जाए। 25 अक्टूबर 2024 से इस कार्य की औपचारिक शुरुआत की गई। इन ऑडियो बुक्स में कक्षा छठवीं से लेकर 12वीं तक के सभी विषय, प्रतियोगी परीक्षाओं सरगुजिहा कहानियां, छत्तीसगढ़ी और हिंदी भाषा में सामान्य ज्ञान, हल्बी, पंजाबी, छत्तीसगढ़ी में साथ ही दिव्यांगजनों हेतु सहायता संसाधन, महिला सशक्तिकरण, दिव्यांग एवं महिलाओं को मिलने वाली सरकारी योजनाओंसे संबंधित उपयोगी प्लेलिस्ट भी शामिल हैं, जिससे दृष्टिबाधित विद्यार्थी एक ही प्लेटफॉर्म पर संपूर्ण अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई गई। इस महान अभियान में छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न जिलों से 30 शिक्षकों ने अपनी आवाज दी।

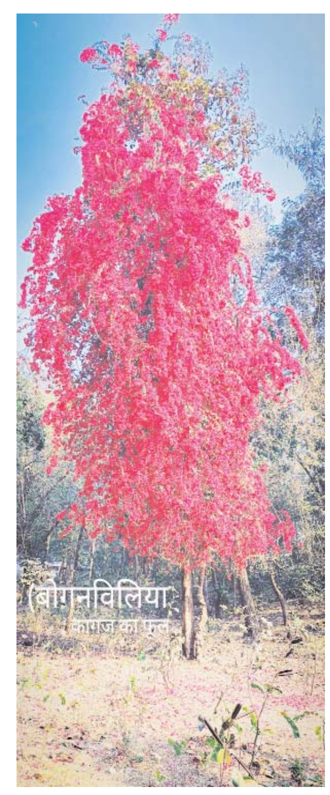

राहगीरों के लिए आकर्षण का केंद्र बना कागज के फूल

दल्लीराजहरा। वार्ड क्रमांक 7 गणेश मंदिर के नीचे स्थित छोटे से जंगल में कागज़ के फूल (बोगनविलिया) का यह अनोखा वृक्ष बिना पानी, बिना विशेष देखरेख के हर वर्ष कुछ समय के लिए धूप-छांव के बीच अपनी प्राकृतिक सुंदरता बिखेर देता है। राह चलते लोग रुक जाते हैं, दो पल ठहरकर मोबाइल में इस फूल की सुंदरता , उसकी मुस्कान को क़ैद कर लेते हैं। यह वृक्ष हमें सिखाता है कि भगवान का दिया हुआ प्रकृति का उपहार कितना अनमोल है। आज ज़रूरत है कि हम पेड़-पौधे लगाएँ, प्रकृति को संवारें और इसे जीवित रखें।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा सतचंडी महायज्ञ और श्रीराम कथा में शामिल हुए

कवर्धा। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा सहसपुर लोहारा विकासखंड के ग्राम सुतियापाठ में आयोजित सतचंडी महायज्ञ, गौ-प्रतिष्ठा महायज्ञ एवं शिव महापुराण कथा में शामिल हुए। इसके साथ ही उन्होंने ग्राम उड़ियाकला में आयोजित कुण्डात्मक अतिरुद्ध महायज्ञ एवं राम कथा में भी श्रद्धापूर्वक सहभागिता की। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने व्यासपीठ पर विराजमान साधु-संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया तथा यज्ञ स्थल की परिक्रमा कर धार्मिक अनुष्ठानों में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धालुओं और ग्रामीणों के साथ बैठकर आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया। शर्मा ने ग्राम सुतियापाठ में सड़क के मुरमीकरण (मेटलिंग) के लिए 15 लाख रुपये की घोषणा की। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और गाँव के आवागमन को सुगम बनाने के लिए यह कार्य प्राथमिकता से कराया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि क्षेत्र में धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएँ समाज को जोड़ने का कार्य करती हैं।

विधायक दीपेश ने ग्राम मंगलोर (रेवे) में 30 लाख रूपये के कार्यों का किया भूमिपूजन एवं लोकार्पण

बेमेतरा। बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत रेवे के आश्रित ग्राम मंगलोर में आज विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक माननीय दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक साहू द्वारा ग्राम मंगलोर में लगभग 30 लाख की लागत से निर्मित एवं प्रस्तावित सीसी रोड निर्माण एवं अन्य जनहितकारी विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ग्रामवासियों द्वारा माननीय विधायक जी के आत्मीय स्वागत एवं सम्मान के साथ हुई। तत्पश्चात विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर ग्रामवासियो को विभिन्न विकाश कार्यों की सौगात दी। जिसमे से भूमिपूजन कार्य निषाद भवन के पास सीसी रोड निर्माण, 5.00 लाख सनत के घर से जगराखन के गली तक सीसी रोड निर्माण 5.20 लाख है । लोकार्पण कार्य में राजेन्द्र के घर से पचरी तक सीसी रोड 8.00 लाख जयकरण कोतवाल के घर से

इतवारी यादव के घर तक सीसी रोड 7.80 लाख, स्कूल के पास हाई मास्क लाइट स्थापना 6.00 लाख शामिल है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि ग्रामीण भारत की मजबूती ही विकसित छत्तीसगढ़ और समृद्ध भारत की आधारशिला है। हमारी सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि विकास केवल शहरों तक सीमित न रहे, बल्कि गांव-गांव तक सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएँ पहुँचे।

उन्होंने कहा कि आज ग्राम मंगलोर (रेवे) में जिन विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण हुआ है, वे केवल सीसी रोड या लाइट नहीं हैं, बल्कि ये गांव के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं। पक्की सड़कों से जहां आवागमन सुगम होगा, वहीं बच्चों को स्कूल जाने, किसानों को बाजार पहुँचने और ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाएँ प्राप्त करने में सुविधा होगी। विधायक साहू ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकासशील सोच और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मूल मंत्र पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी अनेक योजनाएं सीधे आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारी सरकार किसानों, महिलाओं, युवाओं और गरीब वर्ग के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। गांवों में अधोसंरचना मजबूत करने के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी सृजित किए जा रहे हैं, ताकि ग्रामीण युवाओं को अपने गांव छोड़कर बाहर न जाना पड़े। विधायक दीपेश साहू ने ग्रामवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत रेवे एवं आश्रित ग्राम मंगलोर की आवश्यकताओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। आने वाले समय में भी शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली एवं पेयजल से जुड़े और विकास कार्य स्वीकृत किए जाएंगे। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते मेरी जिम्मेदारी है कि क्षेत्र की हर समस्या को शासन तक पहुँचाऊँ और उसका समाधान कराऊँ। आप सभी के सहयोग और विश्वास से हम अपने गांवों को आदर्श गांव के रूप में विकसित करेंगे।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित

कार्य म में माननीय अवधेश चंदेल (पूर्व विधायक), रघुवीर (पिंटू) सिन्हा (सरपंच, रेवे), रेवाराम निषाद, बलराम पटेल (पूर्व मंडल अध्यक्ष), दिलीप निषाद (सरपंच, भरचट्टी), सेवाराम साहू (मंडल अध्यक्ष) सहित युगल देवांगन, हेमलाल देवांगन, लीलाराम साहू, निर्मल सिंह चंदेल, कृपा राम निषाद, गेंदराम निषाद, गणेश निषाद, घसिया निषाद, मेघनाथ सिन्हा, राधे निषाद, पांचू निषाद, केदार सिन्हा, परदेशिया निषाद, गंगाराम निषाद, समस्त पंचगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा ने किया किसानों की समस्याओं को लेकर चक्काजाम

बेमेतरा। बेमेतरा जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा बेमेतरा जिले के पंजीकृत किसानों का धान खरीदी किए जाने को लेकर छत्तीसगढ़ राज्य सरकार के खिलाफ बेमेतरा जिले के ग्राम राका कटिया में राष्ट्रीय राजमार्ग मे चक्का जाम करके अपना विरोध प्रदर्शन किया गया जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने किया इस चक्का जाम प्रदर्शन के बाद जिला कांग्रेस कमेटी ने बेमेतरा जिला कलेक्टर को संबोधित करते हुए ज्ञापन सौपा जिसमें जिला कांग्रेस कमेटी ने राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव के समय भाजपा ने लोगों से वादा किया था कि किसानों का पूरा धान खरीदा जाएगा जबकि धान खरीदी की अंतिम तिथि को शेष दो दिन रह गए हैं और बेमेतरा जिले में अभी भी बड़ी संख्या में किसानों के धान सोसाइटी में नहीं खरीदे गए हैं जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा धान खरीदी की समय सीमा बढ़ाए जाने की मांग करते हुए कहा गया कि जब तक सोसाइटी में पंजीकृत किसानों का पूरा धान सरकार के द्वारा नहीं खरीद लिया जाता तब तक धान की खरीदी बंद ना की जाए साथ ही साथ जिले के

किसानों का जो रकबा भाजपा सरकार के द्वारा किसानों को धोखा देते हुए काटा गया है उसे जोड़ा जाए एवं उन किसानों का भी धान खरीदा जाए साथ ही साथ भाजपा ने चुनाव पूर्व बड़े-बड़े वादे किए थे जिसमें एक वादा यह भी था कि राज्य में भाजपा की सरकार बनने पर एक मुश्त किसानों को ?3100 प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जाएगा जिसे अब तक भाजपा ने सरकार बनने के बाद से नहीं किया है इस ज्ञापन के माध्यम से जिला कांग्रेस कमेटी ने राज्य सरकार से मांग की है कि किसानों को एक मुश्त ?3100 प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जाए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने इस दौरान जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार शुरू से ही किसानों और आम जनता को धोखा देने का काम करते आई है हमें शुरू से ही मालूम था कि जिस तरीके से धान की खरीदी की जा रही है संभव ही नहीं है कि नियत समय में सभी किसानों के धान समय पर सरकार खरीदेगी मैं तो पूर्व में भी कई बार बोल चुका हूं कि सरकार द्वारा तय की गई लिमिट में धान खरीदी संभव नहीं है भाजपा सरकार किसानों को धोखा दे रही है आखिरकार मेरे द्वारा पूर्व में कही गई बातें आज सत्य साबित होते हुए प्रतीत हो रहे हैं भाजपा को केवल किसानों और आम जनता से वोट लेना आता है वोट लेने के बाद भाजपा और उनके जनप्रतिनिधि गण सिर्फ लूटने और कमाने में लग जाते हैं उन्हें आम जनता किसानों और गरीबों से कहीं कोई सरोकार नहीं रहता जिला कांग्रेस कमेटी शुरू से किसानों के साथ रही है और आगे भी रहेगी इससे भी बड़ा आंदोलन करना पड़ा तो हम करेंगे भाजपा सरकार को विवश कर देंगे की किसानों के एक-एक दाने को वह खरीदे इस अवसर पर. ललित विश्वकर्मा कविता साहू प्रांजल तिवारी रवि परगनिहा सुमित राजपूत हरीश साहू शशि प्रभा गायकवाड सुशीला जोशी चंद्र प्रकाश साहू झम्मन बघेल राजू साहू सिद्धिक खान विजय बघेल सनत धर दिवान सुमन गोस्वामी जोगेंदर छाबड़ा महावीर साहू राजेंद्र वर्मा विजय रात्रे शिव वर्मा शुभम गंधर्व दीपक दिनकर जावेद खान मनोज शर्मा राजकुमार बंजारे उमेश साहू रूबी सलूजा योगिता साहू लक्ष्मण साहू बहल वर्मा भुनेश्वर वर्मा अजय राज सेन दिलहरन साहू बोधन साहू भाव सिंह राज योगेश संजय वर्मा गुरु राम साहू जगन्नाथ साहू महानंद यादव दिलेश्वर साहू निलेश राजपूत पंकज सोनवानी सेवक राम निषाद प्रेमलाल कोसले जय राम साहू शेख शरीफ कुरैशी रामानंद पात्रे राजकुमार सेन गुड्डू सेन गोविंदा राजपूत कविलाश साहू रग्घू तिवारी शिशिर दुबे जयप्रकाश राज संजय वर्मा घनश्याम देवांगन साहिल जोशी प्रभुराम अमलेश निषाद उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

सहायक शिक्षक भर्ती डीएड उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के मामले में राज्य शासन ने हाईकोर्ट के आदेश की चार बार अवमानना की

रायपुर। सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा 2023 के पात्र अभ्यर्थियों के चयन में राज्य शासन के शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा भारी अनियमितता बरती गई है। हाईकोर्ट बिलासपुर द्वारा उक्त मामले में दिए गए निर्णय के अवमानना के सिलसिले में चार बार हाईकोर्ट जाने के उपरांत भी अब तक अभ्यर्थियों को न्याय नहीं मिला है। राज्य शासन के डीपीआई एवं शिक्षा सचिव को भी इस संबंध में कई बार अवगत कराया गया इसके बावजूद भी अपात्र लोगों को भर्ती किया गया। पत्रकारवार्ता में प्रांत अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद साहू ने इस संबंध में शिक्षामंत्री पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे जान बूझकर हाईकोर्ट के आदेश का पालन नहीं होने दे रहे हैं। तूता धरनास्थल में 24 दिसंबर से 26 से 21 अभ्यर्थियों को बर्खास्त करने के मामले को लेकर आमरण अनशन 36वें दिन भी जारी रहा। उन्होंने बताया कि उक्त भर्ती परीक्षा के लिए 24 दिसंबर के आदेश के विरूद्ध 26 सितंबर 2025 के आदेश में हाईकोर्ट ने डीएड अभ्यर्थियों की भर्ती के लिए दो माह का समय दिया था। इसके बाद भी राज्य शासन द्वारा बरता जा रहा है। अब तक चार मरीजों को धरनास्थल से तबियत बिगड़ने पर हास्पीटल में भर्ती किया गया है। 2300 अभ्यर्थियों की भर्ती लगभग 3 साल से लंबित हैं। इस संबंध में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के गृहक्षेत्र बगिया से आई आदिवासी अभ्यर्थी जिसके माता पिता का निधन 8वीं कक्षा के दौरान ही हो गया था। वह फूट-फूटकर रोने लगी और उन्होंने कहा कि वे बड़ी मुश्किल से अपने भाई बहनों को पढ़ा पा रही हैं। कोर्ट की लड़ाई के लिए अब उनके पास पैसा नहीं बचा है। जीविका चलाना मुश्किल हो गया है। पत्रकारवार्ता में अनेक अभ्यर्थियों ने मीडियाकर्मियों को बताया कि आदिवासी मुख्यमंत्री होने के बाद भी शिक्षा विभाग के प्रशसनिक अधिकारी चार बार हाईकोर्ट के आदेश की अवमानना करने का दुस्साहस कर चुके हैं। यह आपत्तिजनलक हैं।

विस का बजट सत्र 23 फरवरी से शुरू होने के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ विस का बजट सत्र 23 फरवरी से शुरू होने का आसार है इसके लिए राज्यपाल द्वारा शीघ्र ही अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। इस सत्र में कुल 18 बैठकें होंगी। इस दौरान राज्य शासन का बजट भी पेश किया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार विस सचिवालय द्वारा बजट सत्र 23 फरवरी से लेकर 25 मार्च तक बुलाए जाने का प्रस्ताव शासन के माध्यम से राज्यपाल के पास भेज दिया है। जिसकी अधिसूचना आज शाम तक जारी हो जाएगी। बजट सत्र में राज्य शासन का बजट भी पेश किया जाएगा जिसमें वर्ष 26-27 का बजट पेश किया जाएगा यह पेश सवा लाख करोड़ का बनाया जा रहा है जिसमें राज्य की कई योजनाओं को मंजूरी मिलेगी। विस की अधिसूचना जारी होने के पश्चात कई प्रश्न ध्यानाकर्षण एवं स्थगन प्रस्ताव लाए जाएंगे। विपक्ष के द्वारासरकार को घेरने की रणनीति बनाई जाएगी जिसमें गिरती कानून व्यवस्था धान खरीदी तथा खनिज माफिया रेत माफिया के विरुद्ध आवाज उठाई जाएगी। राज्य सरकारक ी ओर से अजय चंद्राकर तथा अन्य सदस्य विपक्ष को घेरेंगे वहीं नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत तथा भूपेश बघेल के कई मुद्दों को उठाएंगे। यह सत्र नई विस क्षेत्र में होगा।

तकनीक और एआई से पारदर्शी हुई छत्तीसगढ़ मार्कफेड की धान खरीद प्रक्रिया

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ (मार्कफेड) ने धान उपार्जन व्यवस्था को पारदर्शी, जवाबदेह और अत्याधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल की है। राज्य में पहली बार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित सीसीटीवी निगरानी और इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) के जरिए धान खरीद प्रक्रिया की रीयल-टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है। इस व्यवस्था के तहत प्रदेश के 2,739 उपार्जन केंद्रों पर चौबीसों घंटे निगरानी सुनिश्चित की गई है। धान खरीदी में लगातार बढ़ते पैमाने और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के कारण पहले कुछ जिलों में फर्जी किसान पंजीकरण, रिकॉर्ड में हेरफेर और धान चोरी जैसी अनियमितताएं सामने आती रही हैं। अनुमान के मुताबिक महज 1 प्रतिशत लीकेज से ही सरकार को सालाना करीब 464 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। इन्हीं चुनौतियों से निपटने के लिए मार्कफेड ने आईटीआई लिमिटेड के सहयोग से इस अत्याधुनिक तकनीकी परियोजना को लागू किया है। इस पहल के अंतर्गत हर उपार्जन केंद्र पर कम से कम दो एआई आधारित सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जो प्रवेश-निकास, तौल केंद्र और भंडारण स्थल की निगरानी करते हैं। ये कैमरे कम रोशनी में भी काम करने में सक्षम हैं, मोशन डिटेक्शन और छेड़छाड़ की स्थिति में तुरंत अलर्ट भेजते हैं, साथ ही दो-तरफा संवाद की सुविधा भी प्रदान करते हैं। रायपुर में स्थापित आईसीसीसी से पूरे राज्य की गतिविधियों पर केंद्रीकृत निगरानी रखी जा रही है। यहां वीडियो वॉल, केंद्रीय सर्वर, जीपीएस इंटीग्रेशन और सुरक्षित डेटा स्टोरेज की व्यवस्था है। इसके साथ ही अधिकारियों के लिए विशेष मोबाइल ऐप विकसित किया गया है।

दाऊ श्री वासुदेव चन्द्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय दुर्ग का चतुर्थ दीक्षांत समारोह संपन्न

1536 छात्रों को स्नातक,स्नातकोत्तर,पीएचडी उपाधि प्रदान की

- दीक्षांत समारोह केवल पढ़ाई पूरी करने का अवसर नही, जिम्मेदारियों भरी यात्रा की शुरूआत है - राज्यपाल

रायपुर/ संवाददाता

दाऊ श्री वासुदेव चन्द्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय दुर्ग का चतुर्थ दीक्षांत समारोह आज विश्वविद्यालय परिसर में राज्यपाल श्री रमेन डेका की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। समारोह में 1536 छात्रों को पशुचिकित्सा एवं पशुपालन, दुग्ध प्रौद्योगिकी एवं मात्स्यिकी संकाय में स्नातक, स्नातकोत्तर तथा पीएचडी उपाधि प्रदान की गई। 45 उपाधि धारकों को विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक तथा पशुचिकित्सा एवं पशुपालन में 08 स्नातक उपाधि धारकों को पंडित तीरथ प्रसाद मिश्रा मेमोरियल स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल श्री डेका ने अपने करकमलों से विद्यार्थियों को उपाधि पत्रक एवं स्वर्ण पदक प्रदान किया। समारोह में प्रदेश के पशुधन विकास, मछली पालन, कृषि विकास एवं किसान कल्याण एवं जैव प्रौद्योगिकी तथा आदिम जाति कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। छ.ग. राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, दुर्ग ग्रामीण विधायक श्री ललित चन्द्राकर और अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, अहिवारा विधायक श्री डोमन लाल कोर्सेवाड़ा भी मौजूद थे। समारोह को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल श्री रमेन डेका ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल पढ़ाई पूरी होने का अवसर नहीं है, बल्कि यह जीवन की एक नई जिम्मेदारियों भरी यात्रा की शुरुआत है। राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा किसी एक दिन समाप्त नहीं होती और सीखने की प्रक्रिया जीवन भर चलती रहती है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है और यह क्षेत्र ग्रामीण परिवारों, विशेषकर

महिलाओं और छोटे किसानों की आय का प्रमुख साधन है। राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पशुपालन और मत्स्य पालन की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि आज पशुधन क्षेत्र को केवल संख्या बढ़ाने के बजाय आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक पद्धतियों से मजबूत करने की आवश्यकता है। राज्यपाल श्री डेका ने विश्वविद्यालय द्वारा संक्रामक रोगों की रोकथाम और नस्ल सुधार के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने डेयरी प्रौद्योगिकी के छात्रों को मिलावट की समस्या के प्रति सचेत करते हुए गुणवत्ता पर ध्यान देने कहा, ताकि भारतीय उत्पाद वैश्विक स्तर पर भरोसेमंद बन सकें। राज्यपाल ने मत्स्य पालन के क्षेत्र में उन्होंने कांकेर जिले की सफलता से प्रेरणा लेने और आधुनिक तरीकों को अपनाने की बातें कही। राज्यपाल श्री डेका ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे केवल नौकरी ढूंढने वाले न बनें, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ रोजगार देने वाले बनें। उन्होंने कहा कि पशु चिकित्सा और डेयरी जैसे विषय केवल पढ़ाई नहीं बल्कि मानवता की सेवा के माध्यम हैं। राज्यपाल ने शिक्षकों और अभिभावकों के योगदान की सराहना करते हुए युवाओं को आत्मविश्वास के साथ देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। प्रदेश के कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन की भूमिका महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार युवाओं को उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव सहायता प्रदान कर रही है। पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन से जुड़े स्टार्टअप को प्रोत्साहन, अनुदान और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है।

एक फरवरी से होगा स्व. कुलदीप निगम इंटर प्रेस टूर्नामेंट-मोहन

- कार्यकारणी ने की कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा
- प्रेस क्लब के सदस्यों को रियायती दर में मिलेगी स्वास्थ्य सुविधा

रायपुर/ संवाददाता

प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी की अध्यक्षता में प्रेस क्लब रायपुर की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी की दूसरी बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचन के बाद अल्प समय में सफ्लतापूर्वक संपन्न हुए बसंत उत्सव एवं भंडारे तथा 26 जनवरी को प्रेस क्लब सदस्यों के पिकनिक के आयोजन पर सभी कार्यकारिणी सदस्यों को बधाई दी गई। दोनों कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए भविष्य में आयोजनों को और अधिक सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने के लिए सामने आई कमियों को दूर करने पर चर्चा की गई। बैठक में आगामी 1 फ्रवरी से आयोजित होने जा रही स्वर्गीय कुलदीप निगम इंटर प्रेस क्रिकेट प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर भी विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। प्रतियोगिता के आयोजन स्वरूप, अंतिम चरण की तैयारियों और सफ्ल संचालन के लिए कार्यभार का विभाजन किया गया। यह क्रिकेट प्रतियोगिता सुभाष स्टेडियम में संपन्न होगी इसके लिए मैदान एवं टूर्नामेंट के लिए आवश्यक जरूरी साजो सामान की व्यवस्था के लिए सहमति दी गई इसके साथ ही नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के कार्यभार ग्रहण समारोह की तैयारियों को लेकर आवश्यक व्यवस्थाओं और जिम्मेदारियों पर भी चर्चा कर निर्णय लिए गए। प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी अध्यक्षता में प्रेस क्लब सदस्यों के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए सदस्यों से किए वादे को अमल में लाने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए प्रेस क्लब सदस्यों को रियायती दर पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी है। बैठक में इस उद्देश्य से अलग-अलग टीमों का गठन कर डॉक्टरों एवं प्रतिष्ठित अस्पताल प्रबंधन से संपर्क करने का निर्णय लिया गया।

राजिम मेले से पहले गरियाबंद पुलिस की सख्ती

रायपुर। आगामी राजिम मेले को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाने के लिए गरियाबंद पुलिस ने कानून-व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाया है। पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के निर्देशन में थाना क्षेत्र के गुंडा और निगरानी बदमाशों की विशेष जांच की गई। इस अभियान के तहत चिन्हित बदमाशों को थाने तलब कर उनकी गतिविधियों की पड़ताल की गई और सख्त हिदायत दी गई कि मेला अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की आपराधिक हरकत या अशांति फैलाने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस ने साफ कहा है कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, कार्रवाई के दौरान कुल 11 गुंडा बदमाशों और 9 निगरानी बदमाशों को थाने बुलाकर पूछताछ की गई ।

एक फरवरी को पेश किया जाएगा आम बजट लोकसभा में

बजट में मध्यम एवं कामकाजी लोगों को राहत देने की मांग.....

- सोना, चांदी के व्यापार को कस्टम ड्यूटी से राहत दिलाई जाए : हरक मालू

रायपुर। संवाददाता

संसद के चालू सत्र के दौरान 1 फरवरी को केन्द्रीय बजट के साथ रेलवे बजट प्रस्तुत किया जाएगा। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स कैट तथा सराफा व्यवसायी में इस बजट से अपनी अलग-अलग अपेक्षाएं रखी हैं। भाजपा के द्वारा एक टीम गठित की गई है, जो कि आम बजट और रेल बजट में समीक्षा करने के लिए बैठक कर रही है। इधर बजट आने के पहले ही

तम्बाकू, गुड़ाखू, गुटखा का रेट बाजार में बढ़ गया है, जिसके कारण गुटखा प्रेमी परेशान है। मिली जानकारी के अनुसार आम बजट केन्द्र शासन द्वारा प्रस्तुत करने की तैयारी शुरू हो गए है। जीएसटी लगाने के बाद नए करों का प्रावधान नहीं के बराबर है, लेकिन सरकार आय का स्त्रोत बढ़ाना चाहता है। सराफा व्यवसायी संघ के अध्यक्ष हरक मालू ने कहा कि सोने, चांदी के व्यवसाय में कस्टम ड्यूटी को घटाया जाए, जिससे व्यापार में वृद्धि होगी। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष सतीष पैराणिक ने कहा कि जीएसटी की कार्यप्रणाली में सुधार लाया जाए एवं छोटे-लघु व्यवसायियों को राहत दी जाए। पिछले बजट में आयकर की सीमा को बढ़ा दिया गया है। सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को बैंकों ब्याज दर में छूट दी गई है, वहीं महिलाओं के लिए भी आकर्षक सौगात दी जाएगी। किसान वर्ग के लिए भी बजट में कुछ नया आएगा, किसान क्रेडिट कार्ड, किसान समृद्धि योजना का विस्तार किया जाएगा।

एनआईटी रायपुर में व्याख्यान सत्र का किया गया आयोजन

- भारतीय ज्ञान प्रणाली आईकेएस अध्ययन मंडल द्वारा भारत की ज्ञान परंपरा में वास्तुकला, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी विषय पर

रायपुर/ संवाददाता

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर में भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) अध्ययन मंडल द्वारा व्याख्यान-चर्चा सत्र का सफ्ल आयोजन किया गया। इस सत्र का उद्देश्य भारत की ज्ञान परंपरा में निहित वास्तुकला, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के मूल सिद्धांतों को समझना तथा उनकी आधुनिक संदर्भों में प्रासंगिकता पर प्रकाश डालना था। सत्र के मुख्य अतिथि व वक्ता अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी, शशांक शर्मा रहे 7 इस दौरान निदेशक, एनआईटी रायपुर, डॉ. एन. वी. रमना राव, चिंतक तथा पत्रकार, संजय तिवारी, फैकल्टी मेंबर्स, और विद्यार्थी मौजूद रहे 7 इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. तोषन मीनपाल, अध्यक्ष, भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) केंद्र, एनआईटी रायपुर, तथा डॉ. चन्दन कुमार सिंह, समन्वयक, आईकेएस अध्ययन मंडल, एनआईटी रायपुर द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम् से की गई। इसके पश्चात डॉ. राव ने अपने उद्बोधन में भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय दर्शन जीवन के सभी पहलुओं को संतुलित और समग्र दृष्टि प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि भारतीय दार्शनिक मूल्य नैतिक और सामाजिक जीवन को दिशा देते हैं। संजय तिवारी ने अपने संबोधन में देशभक्ति गीत के माध्यम से भारतीय संस्कृति की गहराई को रेखांकित करते हुए कहा कि शून्य का ज्ञान देने वाला भारत वही राष्ट्र है, जिसके विचारों के पीछे पूरा विश्व चला। संजय तिवारी ने कहा कि भारत में कुछ विशेष था, इसी कारण विदेशी शक्तियाँ यहाँ आकर्षित हुईं, और इसलिए हमें अपनी विरासत पर गर्व करना चाहिए। मुख्य वक्ता शशांक शर्मा ने अपने संबोधन में भारतीय इतिहास, उपनिषदों तथा ज्ञान परंपरा के महत्व पर प्रकाश डाला।

यातायात पुलिस ने कस्तूरबा महिला मंडल में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रायपुर। सड़क सुरक्षा माह के तहत यातायात पुलिस द्वारा कस्तूरबा महिला मंडल राजनांदगांव में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए उन्हे यातायात नियमों का पालन करने एवं दूसरों को भी प्रेरित करने हेतु समझाईश दी गई। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह में पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर पुष्पेन्द्र नायक के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी नवरतन कश्यप के नेतृत्व में यातायात पुलिस द्वारा कस्तूरबा महिला मंडल में यातायात नियमों की जानकारी, सड़क सुरक्षा नियमों का पालन, वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग के अनिवार्यता, बिना लायसेंस वाहन चलाने के दुष्परिणाम, यातायात नियमों के उल्लंघन पर होने वाली कानूनी कार्यवाही एवं सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली जन-धन की हानि के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए उन्हे यातायात नियमों का पालन करने एवं दूसरों को भी प्रेरित करने हेतु समझाईश दी गई। इस अवसर पर लगभग 150 लोग लाभान्वित हुए। कार्यक्रम में सउनि कुंजलाल साहू आर. 1385 रूपेन्द्र वर्मा द्वारा सड़क सुरक्षा सें संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से मिली बड़ी राहत

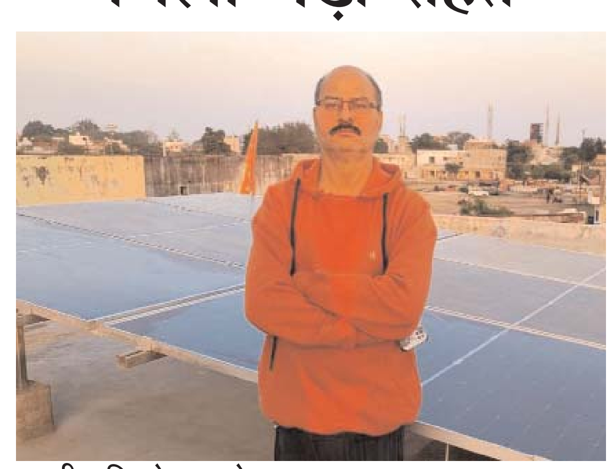

- तीन किलोवाट सोलर रूफटॉप से रोशन हुआ घर
- सोलर संयंत्र स्थापना से पूर्व उन्हें प्रतिमाह अधिक बिजली बिल का भुगतान करना पड़ता था

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप प्रत्येक घर को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। यह योजना न केवल आम नागरिकों को बिजली बिल के बोझ से राहत प्रदान कर रही है, बल्कि स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसी क्रम में शिक्षक नगर, मुंगेली निवासी श्री अवधेश शुक्ला ने अपने आवास की छत पर तीन किलोवाट क्षमता का सोलर रूफ्टॉप सिस्टम स्थापित कर योजना का लाभ लिया है। सोलर संयंत्र स्थापना से पूर्व उन्हें प्रतिमाह अधिक बिजली बिल का भुगतान करना पड़ता था, जिससे घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा था। बढ़ती बिजली दरों को देखते हुए उन्होंने शासन द्वारा संचालित सौर ऊर्जा प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सोलर पैनल लगवाने का निर्णय लिया। तीन किलोवाट का सोलर सिस्टम चालू होने के बाद उनके घर की अधिकांश बिजली आवश्यकता सौर ऊर्जा से पूरी होने लगी है। इसके परिणामस्वरूप उनके मासिक बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है। श्री अवधेश शुक्ला ने इस योजना के लिए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरल प्रक्रिया, अनुदान और जागरूकता के कारण आम नागरिक भी अब सौर ऊर्जा जैसी आधुनिक तकनीक को सहजता से अपना पा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत रूफ्टॉप सोलर सिस्टम लगाने पर केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा एक किलोवाट पर 45 हजार रुपये, दो किलोवाट पर 90 हजार रुपये तथा तीन किलोवाट क्षमता पर 1 लाख 08 हजार रुपये की सब्सिडी दिए जाने से आमजन के लिए सोलर पैनल स्थापित कराना और अधिक सुगम हो गया है।

छतीसगढ़ से संबंधित 200 मुद्दों में 183 का हुआ समाधान

नए भारत की नई कार्य संस्कृति का प्रतीक है प्रगति पोर्टल: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

- देश में 85 लाख करोड़ रुपये की 3,300 से अधिक परियोजनाओं को मिली गति
- राज्य में 99 राष्ट्रीय अवसंरचना परियोजनाएँ में 6.11 लाख करोड़ रुपये का निवेश

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश और प्रदेश सुशासन

की दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में प्रगति डिजिटल प्लेटफॉर्म की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह प्लेटफॉर्म सरकार की कथनी और करनी में समानता का सशक्त प्रमाण है तथा सुशासन की दिशा में एक प्रभावी उदाहरण प्रस्तुत करता है। मुख्यमंत्री आज राजधानी रायपुर के न्यू सर्किट हाउस में प्रगति पोर्टल के संबंध में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रगति पोर्टल केवल देश की बड़ी अवसंरचना परियोजनाओं की समीक्षा का माध्यम नहीं है, बल्कि यह नए भारत की नई कार्य संस्कृति का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह प्लेटफॉर्म मिनिमम गवर्नमेंट-मैक्सिमम गवर्नेंस की कार्यशैली को सशक्त रूप से प्रदर्शित करता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र को विश्वभर में एक आदर्श प्रणाली के रूप में देखा जाता है। इसके पीछे केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर तालमेल, समन्वय और सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रगति प्लेटफॉर्म केंद्र और राज्य सरकारों के बीच विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए एक प्रभावी सेतु का कार्य कर रहा है।

संपादकीय

तमिलनाडु और केरल में परंपरा फिर टूटी, राज्यपाल के साथ टकराव तेज

भारतीय संविधान में राज्यपाल का पद गरिमा, संतुलन और परंपरा का प्रतीक माना गया है। उसका काम है संविधान के अनुसार चलना और मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करना। पर, तमिलनाडु और केरल विधानसभा में जो हुआ, वह राज्य सरकार और राजभवनों के बीच चल रहे टकरावों की ताजा कड़ी है।तथ्यों पर सवाल। केरल में पिनराई सरकार का आरोप है कि राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कैबिनेट से स्वीकृत अभिभाषण नहीं पढ़ा। कहा जा रहा है कि उन्होंने वे हिस्से छोड़ दिए, जिनमें बताया गया था कि केंद्र की नीतियों की वजह से केरल को किस तरह वित्तीय संकट का सामना करना पड़ा है। वहीं, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा के सालाना सत्र की शुरुआत से पहले यह कहते हुए परंपरागत उद्घाटन भाषण नहीं पढ़ा कि उसमें तथ्य सही नहीं हैं और राष्ट्गान का सम्मान नहीं किया गया।दखल सही नहीं - संविधान और परंपरा - दोनों ही यह कहते हैं कि राज्यपाल को वही भाषण पढ़ना होता है, जिसे राज्य मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी हो। यह भाषण राज्यपाल का निजी विचार नहीं, चुनी हुई सरकार की नीतियों का आधिकारिक दस्तावेज होता है। संविधान के मुताबिक, राज्यपाल कैबिनेट की सलाह पर काम करते हैं। वह अपनी निजी राय या असहमति को अभिभाषण के जरिये व्यक्त नहीं कर सकते।पद की गरिमा - देश की संघीय व्यवस्था में राज्यपाल का पद संवैधानिक मर्यादाओं के पालन से ज्यादा बंधा है। उनसे यह उम्मीद की जाती है कि वह संविधान के संरक्षक के तौर पर काम करेंगे और उनका कोई भी कदम राजनीतिक नहीं होगा। ऐसा नहीं है कि अभिभाषण पर आपत्ति पहली बार आई हो।लेकिन, पद की गरिमा यही कहती है कि उस वक्त राज्यपाल को अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए। सदन में खड़े होकर अभिभाषण को पढ़ने से इनकार करना गवर्नर की भूमिका को राजनीतिक रंग देता है।संतुलन चाहिए - इन दोनों घटनाओं को अलग करके नहीं देखा जा सकता। दरअसल, जिन राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं, वहां राज्यपाल के साथ टकराव आम हो चुका है। तमिलनाडु के राज्यपाल पिछले मौकों पर भी अभिभाषण पूरा पढ़े बिना विधानसभा से निकल चुके हैं, जबकि केरल में लंबे समय से पेंडिंग बिल का मसला चल रहा है।पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा था कि वह विधेयकों पर राष्ट्रपति या राज्यपाल की मंजूरी के लिए कोई न्यायिक समय सीमा निर्धारित नहीं कर सकता। वह फैसला शक्तियों के संतुलन को दर्शाता है। ऐसा ही संतुलन सरकारों और गवर्नर को भी दिखाने की जरूरत है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत को कम करने के भरसक प्रयास हो रहे हैं। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों द्वारा भारी मात्रा में अपना निवेश लगातार निकाला जा रहा है जिससे अमेरिकी डॉलर का भारत से बाहर प्रवाह भारी मात्रा में हो रहा है और भारतीय रुपए पर दबाव बन रहा है। भारत में विभिन्न उत्पादों के होने वाले आयात महंगे हो रहे हैं इससे अंततः भारत में मुद्रा स्फीति की दर में वृद्धि हो सकती है और भारत के नागरिकों में वर्तमान सत्ता के विरुद्ध असंतोष का भाव जाग सकता है। परंतु केंद्र सरकार की नीतियों के चलते अभी तक मुद्रा स्फीति की वृद्धि दर पर नियंत्रण बनाए रखने में सफलता मिली है एवं भारतीय खुदरा निवेशकों, म्यूचूअल फण्ड एवं देशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में पर्याप्त मात्रा में अपना निवेश बढ़ाया है इससे भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट को सफलतापूर्वक रोका जा सका है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा फेड रेट (अमेरिकी ब्याज दर) में वृद्धि करने से भी अमेरिकी डॉलर अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत होता है क्योंकि अमेरिका में ब्याज दरों में वृद्धि होने से वैश्विक स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में उभर रही अर्थव्यवस्थाओं से अमेरिकी डॉलर का निवेश निकल कर अमेरिका की ओर आकर्षित होने लगता है। इससे भी इन देशों की मुद्राओं पर दबाव निर्मित होने लगता है।

वैश्विक स्तर पर युद्ध के बदलते स्वरूप

(प्रह्लाद सबनानी)

व्यवस्थित तरीके से लड़े जाने वाले उक्त वर्णित युद्ध में रणनीतिक तंत्र का उपयोग किया जाता है। इस तंत्र के माध्यम से वैश्विक बाजारवादी शक्तियां मिलकर किसी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था, नीति संरचना, मुद्रा, पूंजी प्रवाह, तकनीकि, आपूर्ति शृंखला, खाद्य सुरक्षा एवं सामाजिक धारणा पर लम्बे समय तक अपना प्रभाव एवं नियंत्रण स्थापित कर लेती हैं।

21वीं सदी में शक्ति संघर्ष का स्वरूप बहुत तेजी से बदल रहा है। अब विभिन्न देशों के बीच संघर्ष, तोप, मिसाइल एवं सेनाओं के माध्यम से नहीं लड़े जा रहे हैं बल्कि तकनीकि उपलब्धता, मुद्रा नियंत्रण, पूंजी प्रवाह, खाद्य सुरक्षा, आकड़ों (डेटा) का संग्रहण, नियम निर्माण को प्रभावित करने की क्षमता एवं वैश्विक आपूर्ति शृंखला को प्रभावित करना, आदि में माध्यम से लड़ा जा रहा है। यह एक ऐसा बहुपरत, निरंतर संस्थागत एवं सूक्ष्म युद्ध का स्वरूप है जो राष्ट्र की आर्थिक सामरिक स्वायत्तता को बिना पारम्परिक लड़ाई के नष्ट करने की क्षमता रखता है। यह युद्ध वैश्विक बाजारी शक्तियों अर्थात बहुराष्ट्रीय कम्पनियों, वॉल स्ट्रीट पर आधारित वित्तीय नेट्वर्क, डॉलर आधारित भुगतान प्रणाली, अंतरराष्ट्रीय संस्थानों (विश्व व्यापार संगठन, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक), रेटिंग संस्थानों, बड़े तकनीकि संस्थानों एवं निजी सैन्य परामर्श समूहों द्वारा मिलकर संचालित किया जा रहा है। यह युद्ध एक प्रणाली है एवं यह एक घटना नहीं है।

व्यवस्थित तरीके से लड़े जाने वाले उक्त वर्णित युद्ध में रणनीतिक तंत्र का उपयोग किया जाता है। इस तंत्र के माध्यम से वैश्विक बाजारवादी शक्तियां मिलकर किसी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था, नीति संरचना, मुद्रा, पूंजी प्रवाह, तकनीकि, आपूर्ति शृंखला, खाद्य सुरक्षा एवं सामाजिक धारणा पर लम्बे समय तक अपना प्रभाव एवं नियंत्रण स्थापित कर लेती हैं। यह युद्ध अदृश्य रूप से चलता है एवं किसी को प्रत्यक्ष रूप से दिखाई नहीं देता है। यह युद्ध विभिन्न संस्थानों के माध्यम से लड़ा जाता है एवं इस युद्ध के माध्यम से किसी भी देश की शासन व्यवस्था को भी परिवर्तित किया जा सकता है। हाल ही के समय में उक्त वर्णित अदृश्य युद्ध के माध्यम से बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका आदि देशों में सत्ता परिवर्तन किया गया है। भारत में भी इस तरह के प्रयोग अदृश्य रूप से किए जा रहे हैं परंतु भारतीय नागरिकों पर इस चाल को अभी तक कोई असर नहीं हुआ है क्योंकि भारत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे सामाजिक संगठन नागरिकों के बीच अपनी प्रभावी भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत को कम करने के भरसक प्रयास हो रहे हैं। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों द्वारा भारी मात्रा में अपना निवेश लगातार निकाला जा रहा है जिससे अमेरिकी डॉलर का भारत से बाहर प्रवाह भारी मात्रा में हो रहा है और भारतीय रुपए पर दबाव बन रहा है। भारत में विभिन्न उत्पादों के होने वाले आयात महंगे हो रहे हैं इससे अंततः भारत में मुद्रा स्फीति की दर में वृद्धि हो सकती है और भारत के नागरिकों में वर्तमान सत्ता के विरुद्ध असंतोष का भाव जाग सकता है। परंतु केंद्र सरकार की नीतियों के चलते अभी तक मुद्रा स्फीति की वृद्धि दर पर नियंत्रण बनाए रखने में सफलता मिली है एवं भारतीय खुदरा निवेशकों, म्यूचूअल फण्ड एवं देशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में पर्याप्त मात्रा में अपना निवेश बढ़ाया है इससे भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट को सफलतापूर्वक रोका जा सका है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा फेड रेट (अमेरिकी ब्याज दर) में वृद्धि करने से भी अमेरिकी डॉलर अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत होता है क्योंकि अमेरिका में ब्याज दरों में वृद्धि होने से वैश्विक स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में उभर रही अर्थव्यवस्थाओं से अमेरिकी डॉलर का निवेश निकल कर अमेरिका की ओर आकर्षित होने लगता है। इससे भी इन देशों की मुद्राओं पर दबाव निर्मित होने लगता है। अत: ब्याज दरों में वृद्धि को भी एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। तीसरे हथियार के रूप में किसी भी देश की मुद्रा को स्ङ्खढ्ढस्नञ्ज जैसे भुगतान नेट्वर्क से अलग कर दिया जाना है। इस निर्णय से सम्बंधित देश की मुद्रा का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लेनदेन विपरीत रूप से प्रभावित होने लगता है। जैसे रूस की मुद्रा रूबल के साथ हाल ही के समय में हुआ था। उक्त समस्त निर्णयों से किसी भी देश की मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमजोर किया जा सकता है इससे उस देश में उत्पादों के आयात महंगे हो सकते हैं, उस देश पर विदेशी कर्ज का भार बढ़ सकता है एवं उस देश का आर्थिक विकास प्रतिबंधित हो सकता है। यह युद्ध संरचनात्मक अधीनता पैदा करता है।

इसी तरह का दबाव कुछ देशों पर तब डाला जाता है जब वे किसी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान (विश्व बैंक, अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष, रेटिंग संस्थान) से ऋण लेने का प्रयास करते हैं। इन संस्थानों द्वारा इन देशों पर टैक्स की दरें बढ़ाने, अपने खर्चों पर नियंत्रण स्थापित करने, राजस्व सम्बंधी निर्णयों पर अपनी नीति थोपने, उस देश के ऊर्जा, बंदरगाह एवं खनन क्षेत्रों का निजीकरण करने के प्रयास करना एवं इसके मध्यम से उस देश में चुपचाप शासन परिवर्तन के प्रयास करना भी शामिल हैं। इन संस्थानों से कर्ज लेना आधुनिक गुलामी का सबसे व्यवस्थित मॉडल बन पड़ा है। इसके साथ ही, विभिन्न देशों के साथ व्यापार युद्ध भी छेड़ा जाता है। जैसे, अमेरिका

द्वारा ब्रिक्स (भारत, चीन, रूस, ब्राजील) पर 500 प्रतिशत का टैरिफ लगाने के प्रयास करना भी इन देशों के विरुद्ध एक शद्म युद्ध छेड़ने जैसा ही निर्णय है। इन्हीं उपायों में कुछ देशों को निर्यात प्रतिबंधित करना भी इसी नीति का एक हिस्सा है। जैसे, अमेरिका एवं चीन द्वारा अन्य देशों को सेमीकंडक्टर, चिप एवं 5त्र के उपकरण के निर्यात करने पर रोक लगाई गई थी ताकि प्रभावित किये जाने वाले देशों में इन तकनीकी का उपयोग असम्भव हो सके और इन देशों का विकास रुक जाए।

इसी प्रकार के प्रयासों में किसी देश के कृषि क्षेत्र की नीतियों को प्रभावित कर उस देश में खाद्य पदार्थों की उपलब्धता को कम करना भी शामिल है ताकि उस देश के नागरिक अपने देश की सरकार के खिलाफ उठ खड़े हों। जैसे हाल ही में अमेरिका द्वारा भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते को सम्पन्न करने के लिए भारत पर दबाव बनाया जा रहा है कि भारत अपने कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी उत्पादों के लिए खोल दे। इससे अमेरिकी उत्पाद सस्ती दरों पर भारत में उपलब्ध हो जाएंगे एवं भारत के किसानों द्वारा उत्पादित खाद्य पदार्थ सस्ते अमेरिकी उत्पादों की स्पर्धा में टिक नहीं पाएंगे। इससे भारतीय कृषि एवं डेयरी क्षेत्र बर्बादी के कगार पर पहुंच जाएगा और भारतीय किसान, सरकार के विरुद्ध उठ खड़ा होगा। कुल मिलाकर इस तरह के प्रयास उभरती अर्थव्यवस्थाओं की उत्पादन क्षमता प्रभावित करने के लिए भी किए जाते हैं ताकि यह देश विभिन्न उत्पादों का उत्पादन अपने देश में नहीं कर सकें एवं इसके लिए अन्य देशों से आयात पर इनकी निर्भरता बढ़ जाए।

प्रौद्योगिकी क्षेत्र को प्रभावित करते हुए भी कुछ देश उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को दबाव में लाने का प्रयास करते हुए दिखाई दे रहे हैं। दरअसल, तकनीकी आज का नया परमाणु हथियार है। आरटीफिशीयल इंटेलिजेन्स, क्वांटम, सेमीकंडक्टर, साइबर आदि भी आज, युद्ध के क्षेत्र बन चुके हैं। अमेरिका ने चीन को किए जाने वाले चिप के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था, इससे जिन उत्पादों के निर्माण में चिप का प्रयोग होता है उन उद्योगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा था। इसी प्रकार, अमेरिका द्वारा भारत पर डाटा नियंत्रण हेतु दबाव बनाने का प्रयास किया जा रहा है। पैटेंट एवं लायसेंसिंग पर नियंत्रण एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की बड़ी कम्पनियों द्वारा नागरिक डाटा का दुरुपयोग किया जाना भी इसी युद्ध कला का एक हिस्सा है। पूरे विश्व में फैली कोविड महामारी के पश्चात वैश्विक आपूर्ति शृंखला एक भूराजनैतिक हथियार बन चुकी है। उदाहरण के लिए फार्मा क्षेत्र में उपयोग होने वाले कच्चे माल को चीन नियंत्रित करता है। इसी प्रकार, मूल्यवान खनिज पदार्थों के 90 प्रतिशत भाग के उत्पादन पर चीन का कब्जा है। खाद्य तेल की आपूर्ति पर बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का नियंत्रण है। समुद्री मार्गों पर कुछ देशों का कब्जा है, जो कई बार इस सम्बंध में अंतरराष्ट्रीय कानूनों को मानने से इंकार कर देते हैं। इस तरह के व्यवहार से तेजी से विकास कर रही अर्थव्यवस्थाएं निर्भरता की कैद में धकेल दी जाती हैं। आजकल झूठे विमर्श गढ़ने का कार्य भी बड़े जोरों पर किया जा रहा है। इसे बौद्धिक युद्ध की श्रेणी में रखा जा सकता है, जो प्राय: वैश्विक मीडिया द्वारा लड़ा जा रहा है। गैरसरकारी संस्थान (ह्लह्ल) एवं थिंक टैंक, एक संगठित नरेटिव इको सिस्टम बनाते हैं। जैसे, भारत के संदर्भ में गढ़े जाने वाले कुछ झूठे विमर्शों में शामिल हैं - भारतीय किसान अक्षम हैं, भारत के स्थानीय बीज पोषणहीन हैं, भारत का देशी खाद्य मॉडल पिछड़ा है, ब्रिक्स राजनैतिक रूप से अस्थिर देशों का संगठन है, डीडोल्लराईजेशन एक असम्भव कार्य है।कुल मिलाकर उक्त वर्णित शद्म युद्ध का प्रमुख उद्देश्य अन्य देशों का मानसिक एवं बौद्धिक उपनिवेशीकरण करना है। इसके अंतर्गत, इन देशों के नीति निर्धारण पर अपना आधिपत्य स्थापित करना है। इन देशों द्वारा किस प्रकार के उत्पादों का उत्पादन किया जाएगा (बीज से लेकर दवा तक) एवं इसके आपूर्ति बाजार पर अपना नियंत्रण स्थापित करना है। साथ ही, देश के मुद्रा बाजार पर नियंत्रण स्थापित करना है ताकि उस देश की मुद्रा अमेरिकी डॉलर पर निर्भर हो जाए।

(लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक्है)

हमारे गांवों में अच्छे बदलावों से हो रही मौन क्रांति

(गिरींद्र नाथ झा)

देश के अलग-अलग हिस्सों के ग्रामीण इलाकों से गुजरते हुए इन दिनों जो चीज सबसे अधिक ध्यान खींच रही है, वह है पंचायतों में विकास। ग्रामीण इलाकों में एक बड़ा बदलाव मौन तरीके से हो रहा है। यदि आप भी अपने आसपास की पंचायतों

पर निगाह डालेंगे, तो एहसास होगा कि सरकार की ग्रामीण योजनाएं आसानी से गांव तक पहुंच रही हैं और बदलाव हो रहा है।

एक ऐसा भी वक्त था, जब ग्रामीण विकास का काम हाथ से बनी रिपोर्टों, व्यक्तिगत राय और राजनीतिक प्राथमिकताओं पर चलता रहा, लेकिन अब केंद्र सरकार ने पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स (पीएआई) जारी करने की शुरुआत की है। यह एक नया तरीका है, जिसमें आप अपनी पंचायत का रिपोर्ट-कार्ड देख सकते हैं। यह सूचकांक पारदर्शी आंकड़ों पर आधारित होता है और सतत विकास लक्ष्यों से जुड़ा।

हाल ही में बिहार के पूर्णिया जिला स्थित झुनी कला पंचायत में इस लेखक ने एक बोर्ड देखा, जिस पर 'बाल हितैषी पंचायत' लिखा था। दरअसल, पंचायतों में बच्चों के अधिकार, विकास, सुरक्षा और भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए बाल हितैषी पंचायत नाम से एक योजना है और इस पंचायत का इसके लिए चयन हुआ था। पंचायत ने अच्छा काम किया और फिर इसकी प्रवेश-सीमा पर यह बोर्ड लगा दिया गया। इन सबके पीछे पीएआई ही है। इस इंडेक्स के कारण कई पंचायत इस बात को लेकर बेहद सतर्क रहती हैं कि वे विकास के मापदंड पर कहीं नीचे न चली जाएं।

महाराष्ट्र और गुजरात में भी कुछ ऐसा ही दिखा। वहां पंचायत प्रमुख बेहद सजग रहते हैं कि उनकी पंचायत को कम अंक न मिल जाए। उत्तर प्रदेश में तो इसके लिए राज्य स्तर पर एक कार्यशाला भी आयोजित की गई थी। पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स की सबसे सकारात्मक रिपोर्ट जो पढ़ने को मिली, वह महाराष्ट्र से है। वहां एक पंचायत ने 'महिला हितैषी पंचायत' में कम अंक मिलने के बाद सीसीटीवी कैमरे और सड़क की बत्तियां लगवाईं। वहीं, गुजरात के एक गांव ने 'स्वच्छ और हरित पंचायत' में पीछे रहने पर तुरंत सफाई अभियान छेड़ दिया। जब आप देश के अलग-अलग हिस्सों के पंचायत प्रमुखों से बात करेंगे, तो पता चलेगा कि इस इंडेक्स के कारण उन्हें अपनी पंचायतों की अच्छाई व कमियां साफ दिखती हैं और वे जल्दी और सही कदम उठाने को तत्पर होते हैं। कई पंचायतों में इसके अंक देखकर तत्काल सुधार के काम शुरू हुए हैं, फिर चाहे वह काम संस्थागत प्रसव से जुड़ा हो, कचरा प्रबंधन से या फिर पानी की किल्लत से। पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स की शुरुआत पंचायती राज मंत्रालय ने की है। यह देश का पहला ऐसा ढांचा है, जो ग्राम पंचायतों की प्रगति को ठोस मापदंडों से नापता है। स्वच्छता, स्वास्थ्य, शासन, महिला सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचा, पर्यावरण जैसे अहम क्षेत्रों को नौ थीम में बांटा गया है। ये थीम संयुक्त राष्ट्र के 17 सतत विकास लक्ष्यों को स्थानीय स्तर पर लागू करने से बनी हैं। सीधी बात है- राष्ट्रीय लक्ष्य तभी पूरे होंगे, जब गांवों में काम होगा, और यहीं पंचायतों की भूमिका अहम है। पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स इसी प्रगति को नापने का ठोस तरीका है। बिहार-बंगाल सीमा पर स्थित एक पंचायत में इस इंडेक्स पर चर्चा करते जब कुछ लोग मिले, तो मुझे 2015 में शुरू हुए 'डिजिटल इंडिया मिशन' की याद आ गई। आज जिस तरह हम इस इंडेक्स की बात कर रहे हैं, ठीक ऐसी ही बातें 2015 में डिजिटल इंडिया में गांवों की भूमिका को लेकर भी होती थी। तब गांवों में फाइबर केबल के जरिये इंटरनेट पहुंचाने की बात हो रही थी और आज देखिए गांव-गांव में इंटरनेट ने दस्तक दे दी है।

यहां मुझे महात्मा गांधी की एक उक्ति याद आती है। उन्होंने कहा था- अगर हिन्दुस्तान के हर एक गांव में कभी पंचायती राज कायम हुआ, तो मैं अपनी इस तस्वीर की सच्चाई साबित कर सकूंगा, जिसमें सबसे पहला और सबसे आखिरी दोनों बराबर होंगे, या यूं कहिए कि न तो कोई पहला होगा, न आखिरी। वास्तव में, गांधीजी मानते थे कि जब पंचायती राज स्थापित हो जाएगा, त?ब लोकमत ऐसे अनेक काम कर दिखाएगा, जो हिंसा से कभी नहीं हो सकते। सुखद है, सकारात्मक संवाद से स्थानीय लोग अपनी पंचायतों के सतत विकास में भागीदार बन रहे हैं।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

आखिर पहले की सरकारों ने नेताजी के पराक्रम को क्यों छिपाया? क्यों मोदी सारा सच सामने लाये?

इतिहास का यह कटु सत्य है कि आजादी के बाद लंबे समय तक नेताजी के योगदान को वह स्थान नहीं दिया गया जिसके वे अधिकारी थे। उनकी वीरता, उनकी वैकल्पिक सरकार और उनके सैन्य संघर्ष को असुविधाजनक मानकर हाशिये पर डाल दिया गया। ऐसे में पराक्रम दिवस का औपचारिक और राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाना केवल सम्मान नहीं बल्कि ऐतिहासिक सुधार है। यह उस अन्याय के खिलाफ घोषणा है जो दशकों तक नेताजी के साथ किया गया।

(नीरज कुमार दुबे)

पराक्रम दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि भारत की उस चेतना का उत्सव है जिसने गुलामी को स्वीकार करने से इंकार कर दिया था। यह दिन उस विचार का प्रतीक है कि स्वतंत्रता भीख में नहीं मिलती, उसे संघर्ष से प्राप्त किया जाता है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस का नाम भारतीय इतिहास में केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी के रूप में दर्ज नहीं है, बल्कि वह शौर्य, साहस और राष्ट्र के लिए सर्वस्व अर्पण करने की जीवंत चेतना हैं। गुलामी के कालखंड में जब पूरा देश भय, समझौते और याचना की राजनीति में उलझा था, तब नेताजी ने पराधीनता की जंजीरों को तोड़ने के लिए सशस्त्र संघर्ष का मार्ग चुना था। उनका जीवन स्वयं में पराक्रम की परिभाषा था। इसी पराक्रम, इसी अदम्य साहस और इसी ज्वलंत राष्ट्रभक्ति को स्मरण करने के लिए उनकी जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है।

पराक्रम दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि भारत की उस चेतना का उत्सव है जिसने गुलामी को स्वीकार करने से इंकार कर दिया था। यह दिन उस विचार का प्रतीक है कि स्वतंत्रता भीख में नहीं मिलती, उसे संघर्ष से प्राप्त किया जाता है। नेताजी ने आजाद हिंद फौज का गठन कर यह सिद्ध कर दिया था कि भारतीय अपने बलबूते साम्राज्यवादी ताकतों को चुनौती दे सकते हैं। उनका उद्घोष तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा केवल शब्द नहीं थे, बल्कि वह संकल्प था जिसने हजारों युवाओं को बलिदान के लिए तैयार कर दिया था।

इतिहास का यह कटु सत्य है कि आजादी के बाद लंबे समय तक नेताजी के योगदान को वह स्थान नहीं दिया गया जिसके वे अधिकारी थे। उनकी वीरता, उनकी वैकल्पिक सरकार और उनके सैन्य संघर्ष को असुविधाजनक मानकर हाशिये पर डाल दिया गया। ऐसे में पराक्रम दिवस का औपचारिक और राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाना केवल सम्मान नहीं बल्कि ऐतिहासिक सुधार है। यह उस अन्याय के खिलाफ घोषणा है जो दशकों तक नेताजी के साथ किया गया।

आज पराक्रम दिवस भारत को यह याद दिलाता है कि उसकी आजादी की नींव केवल वार्ताओं और प्रस्तावों पर नहीं, बल्कि रणभूमि के संकल्प, सैनिक अनुशासन और सर्वोच्च बलिदान पर रखी गई थी। नेताजी का शौर्य आज भी भारत की नसों में दौड़ता है और पराक्रम दिवस उस चेतना को पुनः जागृत करने का राष्ट्रीय अवसर है।

सारा देश आज पराक्रम दिवस पर नेताजी को नमन कर रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि नेताजी का अदम्य साहस, अडिग संकल्प और राष्ट्र के लिए उनका अतुलनीय योगदान आज भी हर भारतीय को मजबूत भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नेताजी निर्भीक नेतृत्व और प्रखर राष्ट्रभक्ति के ऐसे प्रतीक हैं जिनकी चमक समय के साथ और तेज होती गई है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस उनके जीवन की प्रेरणा रहे हैं।

उन्होंने 23 जनवरी 2009 को गुजरात में ई ग्राम विश्वग्राम योजना के शुभारंभ को याद किया। यह योजना गुजरात के सूचना प्रौद्योगिकी परिदृश्य को बदलने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल थी।

प्रधानमंत्री ने बताया कि इस योजना का शुभारंभ हरिपुरा से किया गया था, जिसका नेताजी के जीवन में विशेष स्थान रहा है। उन्होंने हरिपुरा की जनता द्वारा दिए गए स्नेहपूर्ण स्वागत और उसी मार्ग पर निकाले गए जुलूस को भी स्मरण किया जिस मार्ग से कभी नेताजी गुजरे थे।

प्रधानमंत्री ने 2012 में अहमदाबाद में आयोजित आजाद हिंद फौज दिवस के भव्य कार्यक्रम को भी याद किया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में देश भर से वे लोग एकत्र हुए थे जो नेताजी से प्रेरणा लेते हैं। इस अवसर पर तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष पीए संगमा भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक देश पर शासन करने वालों के एजेंडे में नेताजी के गौरवशाली योगदान को स्मरण करना शामिल नहीं था। इसलिए योजनाबद्ध ढंग से उन्हें भुलाने के प्रयास किए गए। लेकिन वर्तमान सरकार का विश्वास इससे अलग है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर संभव अवसर पर नेताजी के जीवन और उनके आदर्शों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में नेताजी से संबंधित फाइलों और दस्तावेजों को सार्वजनिक करना एक ऐतिहासिक कदम रहा।

प्रधानमंत्री ने 2018 को भी ऐतिहासिक वर्ष बताया। उन्होंने कहा कि लाल किले पर आजाद हिंद सरकार की स्थापना की पचहत्तरवीं वर्षगांठ मनाई गई और तिरंगा फहराने का उन्हें सौभाग्य मिला। उसी वर्ष अंडमान निकोबार में श्रीविजयपुरम में भी नेताजी द्वारा तिरंगा फहराने की पचहत्तरवीं वर्षगांठ मनाई गई और तीन द्वीपों के नाम बदले गए जिनमें रास द्वीप का नाम नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप रखा गया। प्रधानमंत्री ने लाल किले में स्थापित क्रांति मंदिर संग्रहालय का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां नेताजी और आजाद हिंद सेना से जुड़ी अमूल्य धरोहरें सुरक्षित रखी गई हैं। उन्होंने कहा कि नेताजी की जयंती को पराक्रम दिवस घोषित करना और इंडिया गेट के पास उनकी भव्य प्रतिमा स्थापित करना राष्ट्र के लिए गर्व के क्षण हैं।

देखा जाये तो आजादी के बाद सत्ता की राजनीति ने चुन चुन कर नायकों को गढ़ा और कुछ नायकों को मिटाने की कोशिश की। नेताजी की विरासत को पाठ्यपुस्तकों में सीमित कर दिया गया था लेकिन मोदी सरकार ने इस चुप्पी को तोड़ा। नेताजी से जुड़ी फाइलों का सार्वजनिक होना केवल कागजों का खुलना नहीं था बल्कि इतिहास पर जमी धूल को हटाना था। साथ ही लाल किले पर आजाद हिंद सरकार की वर्षगांठ मना कर यह संदेश दिया गया था कि भारत की आजादी केवल एक रास्ते से नहीं आई बल्कि बलिदान, संघर्ष और सशस्त्र प्रतिरोध से भी आई है। इंडिया गेट के पास नेताजी की भव्य प्रतिमा स्थापित करना भी एक ऐतिहासिक निर्णय रहा। वर्षों तक वहां एक औपनिवेशिक प्रतीक खड़ा रहा। अब उसकी जगह वह सेनानी खड़ा है जिसने ब्रिटिश साम्राज्य को सबसे बड़ी चुनौती दी। यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को बताएगी कि भारत का आत्मसम्मान किन कंधों पर टिका है।

मोदी सरकार के इन निर्णयों में एक स्पष्ट विचारधारा दिखाई देती है। यह विचारधारा है आत्मगौरव की, इतिहास से सच निकालने की और राष्ट्रनायकों को उनका हक दिलाने की। नेताजी का सम्मान केवल उनका सम्मान नहीं बल्कि उन लाखों गुमनाम सेनानियों का सम्मान है जिन्होंने आजाद हिंद फौज की वर्दी पहनकर जान की बाजी लगाई। आज जब पराक्रम दिवस मनाया जाता है तो यह केवल अतीत की पूजा नहीं बल्कि वर्तमान को झकझोरने का अवसर है। नेताजी हमें सिखाते हैं कि राष्ट्र के लिए साहसिक निर्णय कैसे लिए जाते हैं। मोदी सरकार ने उनके नाम पर लिए गए फैसलों से यह स्पष्ट कर दिया है कि अब भारत समझौतावादी स्मृतियों से बाहर निकल चुका है। नेताजी की वीरता, उनका त्याग और उनका स्वप्न अब केवल भाषणों में नहीं बल्कि राष्ट्रीय चेतना में जीवित है। यही सच्ची श्रद्धांजलि है और यही इतिहास का न्याय।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

थाना व एसडीएम कार्यालय पहुंचा मामला

मुस्लिम समाज के 60 लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाने की साजिश

भानुप्रतापपुर। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-80 भानुप्रतापपुर में मतदाता सूची से नाम काटे जाने को लेकर भारी आक्रोश देखा जा रहा है। ग्राम पंचायत सम्बलपुर के मुस्लिम समाज के एक साथ 60 लोगों के नाम काटने के विरोध में समाज के लोग और कांग्रेस कमेटी ने मोर्चा खोल दिया है। इस मामले में फर्जी आपत्ति दर्ज कराने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने हेतु समाज के लोग भानुप्रतापपुर थाना पहुँचे। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुस्लिम समाज के प्रतिनिधिमंडल ने कांग्रेस पार्टी के साथ मिलकर निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विधानसभा भानुप्रतापपुर के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा किसी अन्य व्यक्ति के नाम का दुरुपयोग कर 'दावा आपत्ति' के तहत झूठे आवेदन एस आई आर प्रस्तुत किए जा रहे हैं। यह आरोप लगाया गया है कि यह सब लोकतंत्र और आगामी चुनावों को प्रभावित करने की नियत से किया जा रहा है। विशेष रूप से एक ही जाति और धर्म के लोगों को निशाना बनाकर उनके नाम कटवाने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। प्रशासन की ओर से अब तक इस पर क्या ठोस कदम उठाए जाते हैं, इस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

कांग्रेस ने दी आंदोलन की चेतावनी – ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुनील बबला पाढ़ी ने इस कृत्य की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा की हमारे कांग्रेस पार्टी के वोटरों के खिलाफ फर्जी शिकायतें देकर षड्यंत्रपूर्वक नाम हटाए जा रहे हैं। यदि तत्काल इन नामों को वापस नहीं जोड़ा गया और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो कांग्रेस पार्टी उग्र धरना-प्रदर्शन के लिए बाध्य होगी। झूठे आवेदन करने वाले असामाजिक तत्वों की पहचान कर उन पर दंडात्मक कानूनी कार्रवाई की जाए। काटे गए नामों को तत्काल मतदाता सूची में बहाल किया जाए।मतदाताओं के संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। इस दौरान बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग, स्थानीय जन-प्रतिनिधि और कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मतदाता सूची से 'अपनों' का नाम जोड़ने वाले मुस्लिम समाज के बीएलओ का ही नाम कटा – निर्वाचन कार्य में जुटे प्रशासन की एक बड़ी लापरवाही ने उस समय सबको चौंका दिया, जब संबलपुर के बीएलओ अखिल कुरैशी का नाम मतदाता सूची एसआईआर से कटा हुआ पाया गया। यह मामला इसलिए तूल पकड़ रहा है क्योंकि अखिल कुरैशी स्वयं मुस्लिम समाज से आते हैं और एक बीएलओ के रूप में दूसरों को मतदान का अधिकार दिलाने की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि जिस अधिकारी के कंधों पर क्षेत्र के मतदाताओं का नाम जोड़ने, सुधारने और सूची को पारदर्शी बनाने का भार है, सिस्टम ने उन्हें ही मतदाता सूची से बाहर कर दिया है। अखिल कुरैशी के साथ हुई इस घटना को स्थानीय स्तर पर 'प्रशासनिक विफलता' के रूप में देखा जा रहा है।

अधिकारियों की चुप्पी

फिलहाल इस मामले पर किसी वरिष्ठ निर्वाचन अधिकारी का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। हालांकि, यह स्पष्ट है कि इस घटना ने निर्वाचन विभाग की 'डेटा शुद्धिकरण' प्रक्रिया की पोल खोल दी है। अब क्षेत्र में यह मांग उठ रही है कि न केवल अखिल कुरैशी, बल्कि उनके मुस्लिम समाज के अन्य पात्र मतदाताओं के नाम तुरंत बहाल किए जाएं।

किरन्दुल फुटबॉल ग्राउंड में मनाया गया 77 वां गणतंत्र दिवस

किरंदुल। लौहनगरी किरन्दुल स्थित फुटबॉल ग्राउंड सोमवार सुबह 09 बजे देश का 77 वां गणतंत्र दिवस मनाया गया।मुख्य अतिथि एनएमडीसी अधिशासी निदेशक रवींद्र नारायण एवं वरिष्ठ कर्मचारी राजेश संधू ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया। मुख्य अतिथि ने सीआईएसएफ जवानों,एनसीसी कैडेट एवं स्कूल छात्र-छात्राओं की परेड की सलामी ली। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने देश के विकास में एनएमडीसी द्वारा दिए जा रहे महत्वपूर्ण योगदान बताया गया। परियोजना कर्मचारियों से उत्पादन-उत्पादकता के कीर्तिमान हासिल करने की अपील एवं सीएसआर के तहत आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में किए जा रहे विकासात्मक कार्यों को भी बताया।मुख्य अतिथि ने बेस्ट वर्कर्स अवार्ड प्रदान किए।बीआईओपी स्कूल द्वारा एकता गीत प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा केवीएस, डीएवी, प्रकाश विद्यालय एवं बीआईओपी स्कूल द्वारा देशभक्ति कार्यक्रम की प्रस्तुतियां की गई।कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथि प्रेरणा महिला समिति अध्यक्ष नमिता नारायण, मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन) के पी सिंह,उप महाप्रबंधक मानव संसाधन के एल नागवेणी, कमांडेंट सीआईएसएफ, इंटक सचिव ए के सिंह, अध्यक्ष विनोद कश्यप, एसकेएमएस अध्यक्ष देवरायलु, एससी एसटी एसोसिएशन के पदाधिकारी, ऑफिसर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी, विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य कार्मिक विभाग के अधिकारी कर्मचारी व अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

सहकारी बैंक में कैश की कमी और कर्मचारियों के दुर्व्यवहार से आक्रोशित किसानों ने एनएच-30 में किया चक्काजाम

केशकाल। जिला सहकारी बैंक में एक बार फिर किसानों को अपने ही खाते से पैसे निकालने के लिए मशक्कत करनी पड़ रही है। वहीं बैंक में लिमिट पूरा होने के बाद विड्रॉल फॉर्म न दिए जाने एवं बैंक कर्मचारियों के द्वारा किसानों से बदतमीज़ी किए जाने से आक्रोशित बड़ी संख्या में किसानों ने जिला सहकारी बैंक के सामने चक्काजाम कर दिया। सूचना मिलते ही तहसीलदार गणेश सिदार व थाना प्रभारी विकास बघेल ने मौके पर पहुंच कर किसानों को समझाइश दी तब जाकर किसान सड़क से हटे। हालांकि यह चक्काजाम बमुश्किल 10 मिनट ही रहा। सड़क से हटने के बाद तहसीलदार ने किसानों को आश्वसन दिया है कि उनकी सभी समस्याओं का यथाशीघ्र निराकरण किया जाएगा। साथ ही दुर्व्यवहार करने वाले चपरासी पर भी कार्यवाही की जाएगी।

चपरासी पर कार्यवाही जरूर होगी : मजनेजर

बैंक मैनेजर सुरेंद्र पोयाम ने बताया कि किसानों ने चपरासी द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने का आरोप लगाया है। जिसे संज्ञान में लेते हुए उक्त चपरासी के खिलाफ जल्द ही कार्यवाही भी की जाएगी। साथ ही विड्रॉल फार्म देने, पेमेंट की लिमिट बढ़ाने, पीने के पानी व बैठने की व्यवस्था समेत अन्य सुविधाओं के लिए भी आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

किसानों ने प्रशासन से बताई आपबीती– इस सम्बंध में धरने पर बैठे किसानों का कहना है कि हम सभी किसान दूर दराज के गांव से आकर सुबह से शाम तक बैंक परिसर मे बैठे रहते हैं। बैंक कर्मचारियों के द्वारा हमें समय से विड्रॉल फॉर्म नहीं दिया जाता। फार्म भर के जमा करने पर पैसे कम दिए जाते हैं। साथ ही कर्मचारियों के द्वारा किसानों से दुर्व्यवहार भी किया जाता है। बैंक के अधिकारियों से इस बारे में शिकायत करने पर उनके द्वारा हमें नजरअंदाज कर दिया जाता है। इन सब समस्याओं से सभी किसान काफी आक्रोशित हो गर थे, इसलिए हमने चक्काजाम करने का निर्णय लिया गया।

तहसीलदार ने जल्द समाधान करने का आश्वसन दिया– तहसीलदार गणेश सिदार ने बताया कि सूचना मिलते ही हम मौके पर पहुंच गए थे।

किसानों को समझाइश देते हुए सड़क से हटवा दिया गया है। किसानों की समस्याओं के सम्बंध में बैंक मैनेजर से चर्चा करते हुए कैश की लिमिट बढ़ाने, विड्रॉल फार्म समय पर देने समेत अन्य सभी शिकायतों को दूर करने के निर्देश दिए गए हैं। कल से किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसका ध्यान रखा जाएगा।

वन विभाग की 'सर्जिकल स्ट्राइक', लकड़ी तस्करों के बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़, राजदार डायरी खोलेगी कई राज

भानुप्रतापपुर। दुर्गुकोंदल वन परिक्षेत्र में वन विभाग ने अवैध लकड़ी तस्करी के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। नए रेंजरों की अगुवाई में विभाग ने आधी रात को घेराबंदी कर बेशकीमती लकड़ियों से लदी एक मेटाडोर जब्त की है। इस कार्रवाई के दौरान वन विभाग के हाथ एक ऐसी डायरी लगी है, जो क्षेत्र में सक्रिय लकड़ी तस्करी के पूरे काले साम्राज्य का कच्चा चिट्ठा खोल सकती है। मुखबिर की सटीक सूचना पर वन विभाग की टीम ने ग्राम कालागांव में मोर्चा संभाला। नए रेंजर पंकज पटेल, रेंजर प्रांजलि मिश्रा और डिप्टी रेंजर छबिलाल कुमेटी, डिप्टी मनोज निषाद, नोकेश राव कदम, दुर्गेश देवांगन, तारकेश्वर ठाकुर के नेतृत्व में टीम ने घेराबंदी की। विभाग की सक्रियता देख लकड़ी तस्करों में हड़कंप मच गया। मौके से एक मेटाडोर क्रमांक सीजी 08 एआर 4105 जब्त की गई, जिसमें सहजा और तेंदू के 34 नग लट्ठे लदे हुए थे। बरामद लकड़ी की अनुमानित कीमत 1,02,148 रुपये बताई जा रही है। भानुप्रतापपुर क्षेत्र के नए रेंजरों की इस मुस्तैद कार्यप्रणाली की जनता द्वारा सराहना की जा रही है। अब देखना यह होगा कि जांच की आंच इस सिंडिकेट से जुड़े किन बड़े चेहरों तक पहुँचती है।

ड्राइवर फरार, गिरफ्त में आए शख्स ने उगले नाम – कार्रवाई के दौरान वन विभाग की टीम को देख चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया, जिससे तस्करी के पीछे किसी बड़े मास्टरमाइंड के हाथ होने की आशंका गहरा गई है। मौके पर पकड़े गए व्यक्ति पंचम दास ने पूछताछ में बताया कि वह बबलू मंडल नामक व्यक्ति के लिए काम करता है। हालांकि, उसने दावा किया कि लकड़ियां गुडफेल स्थित निजी जमीन से काटी गई हैं, लेकिन दस्तावेजों के अभाव और ड्राइवर के भागने से मामला पूरी तरह संदिग्ध बना हुआ है।

डायरी से मचेगा हड़कंप : खुलेंगे सफेदपोशों के नाम?

जब्त मेटाडोर की तलाशी के दौरान वन विभाग को एक 'राजदार' डायरी हाथ लगी है। सूत्रों के मुताबिक, इस डायरी में पूर्व में की गई अवैध ट्रिप का पूरा हिसाब। लकड़ी सप्लाई के लेन-देन का विवरण। सिंडिकेट से जुड़े कई रसूखदारों के नाम होने की संभावना। फिलहाल जब्ती की कार्रवाई कर पंचनामा तैयार किया गया है। डायरी के साक्ष्यों और पकड़े गए व्यक्ति के बयानों के आधार पर जांच की जा रही है। तस्करी के इस नेटवर्क की जड़ तक पहुंचा जाएगा।

एनएमडीसी बचेली में गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन

बचेली। गणतंत्र दिवस के अवसर पर सोमवार बीआईओएम बचेली कॉम्प्लेक्स में भव्य कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ।परियोजना के केवी मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परियोजना प्रमुख श्रीधर कोडाली, मुख्य महाप्रबंधक ने झंडा फहराया एवं परेड का निरीक्षण किया।इस अवसर पर परियोजना में स्थित विभिन्न विद्यालयों की ओर से मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की गई। सभी विद्यालयों के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के अंतर्गत समूह नृत्य और पीटी अर्थात शारीरिक अभ्यास प्रस्तुत किया। साथ ही महिला एवं पुरुष दोनों वर्गों के लिए म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।इस अवसर पर परियोजना की विभिन्न सांस्कृतिक समितियों ने स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल भी लगाए। मुख्य अतिथि परियोजना प्रमुख श्रीधर कोडाली, मुख्य महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए एनएमडीसी बचेली की उपलब्धियों को रेखांकित किया।

बकरी के पेट से ऑपरेशन द्वारा 7 किलो से अधिक पॉलिथीन निकाली गई, समय रहते उपचार से बची जान

कोण्डागांव। पशु चिकित्सालय फरसगांव क्षेत्र में पशुपालन विभाग के पशु चिकित्सक डॉ ढालेश्वरी साहू (पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ)एवं दुर्गा प्रसाद साहू (सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी) के संयुक्त टीम द्वारा एक गंभीर मामले में सफल शल्य चिकित्सा (ऑपरेशन) कर बकरी के पेट से 7 किलो से अधिक पॉलिथीन एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थ निकाले गए। पशु मालिक संगीता राव ने बताया कि, बकरी पिछले कई दिनों से खाना नहीं खा रही थी, पेट फूलना, कमजोरी एवं जुगाली बंद होने जैसे लक्षण दिखाई दे रहे थे।

लक्षणों को देखते हुए, पशु चिकित्सकों द्वारा गहन जांच के बाद यह पाया गया कि बकरी के रूमेन (पेट) में भारी मात्रा में पॉलिथीन जमा हो गई है, जिसके कारण पाचन पूरी तरह बाधित हो गया था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल ऑपरेशन का निर्णय लिया गया।

सफल ऑपरेशन के दौरान बकरी के पेट से 7 किलो से अधिक पॉलिथीन, प्लास्टिक एवं कचरा निकाला गया। ऑपरेशन के बाद बकरी की स्थिति में सुधार है और उसे आवश्यक दवाइयाँ, तरल पदार्थ एवं देखभाल दी जा रही है। इस घटना के माध्यम से पशु चिकित्सकों ने पशुपालकों एवं आम जनता से अपील की है कि पॉलिथीन का खुले में उपयोग एवं फेंकना बंद करें, क्योंकि पशु इसे चारा समझकर खा लेते हैं, जिससे उनकी जान को गंभीर खतरा हो सकता है। यह न केवल पशुओं के स्वास्थ्य के लिए, बल्कि पर्यावरण के लिए भी अत्यंत हानिकारक है। पशुपालकों को सलाह दी गई है कि पशुओं को स्वच्छ स्थान पर रखें, कचरा-मुक्त वातावरण सुनिश्चित करें तथा किसी भी असामान्य लक्षण पर तुरंत पशु चिकित्सक से संपर्क करें।

सेल–बीएसपी की रावघाट क्रिकेट प्रतियोगिता में कोलर बना चैंपियन

नारायणपुर। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की रावघाट लौह अयस्क खदान परियोजना द्वारा आयोजित आठ दिवसीय भव्य क्रिकेट प्रतियोगिता का रंगारंग समापन हुआ। 20 जनवरी से शुरू हुए इस खेल महोत्सव ने क्षेत्र के युवाओं में नया जोश भर दिया। फाइनल मुकाबले में कोलर की टीम ने पालकी को हराकर खिताबी जीत दर्ज की। प्रतियोगिता का आगाज 20 जनवरी को डी. एन. रस्तोगी और सचिन रंगारी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। प्रबंधन ने स्थानीय खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिभागी 24 टीमों को पूर्ण क्रिकेट किट प्रदान की। प्रत्येक किट में 2 बैट, 2 बॉल, 13 सेट लोअर-टीशर्ट, स्टंप, कैप, स्पोर्ट्स शूज और हैंड ग्लव्स शामिल थे। फाइनल मैच में पालकी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सधी हुई शुरुआत की और प्रतिद्वंद्वी टीम के सामने 96 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। जवाब में उतरी कोलर की टीम ने बेहतरीन तालमेल और आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए इस लक्ष्य को हासिल कर लिया।

लोकभवन रायपुर में सम्मानित हुई ब्रजेश्वरी रावटे

नारायणपुर। लोकभवन रायपुर में दो ब्रेल पुस्तकों एवं 3000+ऑडियो बुक्स का भव्य विमोचन छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल रमेन डेका ने किया। दिव्यांग महिलाओं की सफलता की कहानी एवं छत्तीसगढ़ के वीर ब्रेल पुस्तक में एक सराहनीय कदम राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित के. शारदा मैडम ने डेढ़ वर्ष पूर्व दृष्टिबाधित व्यक्तियों के एक समूह से जुड़ने के दौरान ज्ञात हुआ की मुख्य रूप से उनके ऑडियो फॉर्मेट के माध्यम से अध्ययन करने की शुरूआत हुई। जिसमें ब्रजेश्वरी रावटे प्रधान अध्यापक ने इस अभियान में भारत के लोक नृत्य, छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थल, बस्तर की सांस्कृतिक को हिंदी, हल्बी, छत्तीसगढ़ी में अपने स्वर आडियो श्रृंखला में प्रस्तुत की है। डेढ़ वर्ष पूर्व शुरुआत दिव्यांग महिलाओं की सफलता की कहानी एवं छत्तीसगढ़ के वीर ब्रेल पुस्तकों का साथ ही दिव्यांगजनों के शैक्षणिक सशक्तिकरण की दिशा में एक पहल में सभी स्तर की विषय वस्तु और सामान्य जानकारी को ऑडियो के माध्यम से दृष्टि बाधित बच्चों तक पहुंचने का यह कार्य जिसमें राज्य के उत्कृष्ट शिक्षकों का समूह विभिन्न जिलों से मिलकर तैयार किया है। राजभवन में राज्यपाल ने तारीफ करते कहा कि यह संवेदनशील एवं अनोखा पहल जिसमें शिक्षा केवल देखने वालों के लिए नहीं बल्कि हर उस मन के लिए है जो उसे सीखना चाहता है।

नहरपारा में बच्चों से भरी स्कूल बस गड्ढे में धंसी, बड़ा हादसा टला

कोण्डागांव। जिला मुख्यालय कोंडागांव के 3 नहरपारा क्षेत्र में गसुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। नगर में संचालित चावरा स्कूल की बस सुबह लगभग 7:30 बजे अमृत मिशन 2.0 के तहत पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदे गए गड्ढे में अचानक धंस गई। बस में स्कूली बच्चे सवार थे, गनीमत रही कि किसी भी बच्चे को शारीरिक चोट नहीं आई, अन्यथा परिणाम भयावह हो सकते थे। स्थानीय लोगों के अनुसार अमृत मिशन के अंतर्गत कार्य कर रहे ठेकेदार द्वारा रातों-रात मुख्य सड़क पर गड्ढे खोद दिए जाते हैं, लेकिन न तो किसी प्रकार की बैरिकेडिंग की जाती है और न ही चेतावनी संकेत लगाए जाते हैं। इसी लापरवाही का नतीजा आज स्कूल बस की इस गंभीर घटना के रूप में सामने आया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि सुबह के समय दृश्यता कम होने के कारण चालक को गड्ढे की जानकारी नहीं मिल सकी और बस सीधे उसमें धंस गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय नागरिकों ने तत्काल बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। नागरिकों का आरोप है कि यह स्थिति केवल नहरपारा तक सीमित नहीं है, बल्कि कोंडागांव शहर के लगभग हर वार्ड में अमृत मिशन के नाम पर सड़कों को खोदकर छोड़ दिया गया है। जगह-जगह खुले गड्ढे, उड़ती धूल और अव्यवस्थित कार्यप्रणाली से आमजन, स्कूली बच्चे और दोपहिया वाहन चालक रोजाना जोखिम उठाने को मजबूर हैं। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। लोगों ने नगर प्रशासन और संबंधित विभाग से ठेकेदार पर कड़ी कार्रवाई करने, कार्यस्थलों पर सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा खोदी गई सड़कों को शीघ्र दुरुस्त करने की मांग की है। इस घटना ने एक बार फिर अमृत मिशन 2.0 के तहत हो रहे कार्यों की गुणवत्ता, निगरानी और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि समय रहते प्रशासन ने ठोस कदम नहीं उठाए, तो भविष्य में किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता।

पीड़िता के साथ अनाचार करने वाला आरोपी गिरफ्तार, केशकाल पुलिस ने की त्वरित कार्यवाही

कोंडागांव। थाना केशकाल क्षेत्रन्तार्गत निवासरत प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसकी पुत्री पीडिता का गांव के ही लडके के साथ विगत एक साल से प्रेम सम्बन्ध था और शादी का प्रलोभन दे कर पीड़िता के साथ लगातार शारीरिक सम्बन्ध बना कर बलात्कार किया है पीड़िता के मना करने पर भी आरोपी द्वारा नहीं माना जिससे पीड़िता गर्भवती होकर जिला मेडिकल कॉलेज कांकेर में पुत्री को जन्म दी है जिस पर डॉ द्वारा सिटी कोतवाली कांकेर को सुचना देने पर कांकेर पुलिस त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी के विरुद्ध बिना नंबरी के अपराध पंजीबद्ध कर अग्रिम कार्यवाही के लिए थाना केशकाल को प्राप्त हुआ है जिससे बिना नंबरी रिपोर्ट के आधार पर थाना केशकाल में अपराध कमांक 18/26 धारा 64(1),64(ड) भान्या.सं. व 04,06 चंबेव अधि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना ने लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा द्वारा प्रमुखता एवं बारीकि से विवेचना करने निर्देश प्राप्त होने पर अति. पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) केशकाल अरुण कुमार नेताम के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी केशकाल के नेतृत्व में महिला अधिकारी सउनि. अनीता मेश्राम द्वारा विवेचना किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

जे.एस. बिंद्रा ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक का पदभार ग्रहण किया

बिलासपुर। जे.एस. बिंद्रा ने 28 जनवरी 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (PCCM) के रूप में पदभार ग्रहण किया। श्री बिंद्रा भारतीय रेल यातायात सेवा (IRTS) के 1996 बैच के अधिकारी हैं। उन्होंने बी.टेक एवं एमबीए की डिग्री प्राप्त की है तथा यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, बर्कले (अमेरिका) से मास्टर इन पब्लिक पॉलिसी भी किया है। अपने दीर्घ एवं उत्कृष्ट सेवाकाल में श्री बिंद्रा ने दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर, आद्रा एवं चक्रधरपुर मंडलों में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। इसके अतिरिक्त वे रेलवे बोर्ड में निदेशक एवं कार्यकारी निदेशक के पद पर कार्यरत रहे। उन्होंने कोयला मंत्रालय में निदेशक के रूप में सेवाएं दीं तथा एमसीएल एवं एससीसीएल के निदेशक मंडल में भारत सरकार के नामित निदेशक के रूप में भी कार्य किया। हाल ही में उन्होंने रांची मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (DRM) के रूप में एक अत्यंत सफल एवं परिणामोन्मुख कार्यकाल पूर्ण किया। अपने उल्लेखनीय कार्यों के लिए श्री बिंद्रा को राष्ट्रीय पुरस्कार (रेल मंत्री पुरस्कार), महाप्रबंधक पुरस्कार एवं सर्वश्रेष्ठ परिवीक्षाधीन अधिकारी हेतु स्वर्ण पदक सहित अनेक सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। श्री बिंद्रा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी व्यापक अनुभव प्राप्त है। उन्होंने स्वीडन, चीन, जापान एवं सिंगापुर जैसे देशों का कार्य-अध्ययन किया है तथा फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया एवं कजाखस्तान में आयोजित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय बैठकों एवं सम्मेलनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

शहीद दिवस पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को नमन

बिलासपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर पूरे जिले में शुक्रवार को शहीद दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिला कार्यालय में बाबू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर राष्ट्रपिता के बलिदान को स्मरण किया। महात्मा गांधी केवल स्वतंत्रता संग्राम के नायक ही नहीं, बल्कि मानवता के लिए एक विचारधारा हैं। उनके सिद्धांत आज भी समाज में सद्भाव, समानता और नैतिक मूल्यों की दिशा दिखाते हैं। शहीद दिवस पर यह संदेश दिया गया कि बापू के बताए मार्ग पर चलकर ही एक सशक्त, समरस और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव है। जिला पंचायत, नगर निगम सहित सभी कार्यालयों में राष्ट्रपिता को मौन श्रद्धांजलि दी गई।

डाक विभाग द्वारा आधार अपडेशन के लिए विशेष शिविर 31 को

बिलासपुर। भारतीय डाक विभाग, बिलासपुर संभाग द्वारा आम नागरिकों को आधार एनरोलमेंट एवं आधार अपडेशन की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु 31 जनवरी 2026 को सवेरे 10 बजे से शाम 4 बजे तक विशेष आधार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर ग्राम पंचायत रतंगा मरवाही, वार्ड-43 आंगनबाड़ी केंद्र बूटापारा देवरीखुर्द (बिलासपुर), आंगनबाड़ी केंद्र जनकपुरी जमनीपाली, स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम स्कूल कसेर पारा सक्ती, ग्राम भारती सरस्वती शिशु मंदिर कुद्रिपारा बांकीमोंगरा, वार्ड-33 कम्युनिटी हॉल आईटीआई रामपुर कोरबा कोलरी, वार्ड-10 शासकीय विद्यालय बोंगापारा जांजगीर, वार्ड-02 आंगनबाड़ी केंद्र बसंतपुर डभरा, स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल लिंगियाडीह बिलासपुर, आंगनबाड़ी केंद्र कर्मदी भैसमा एवं वार्ड-16 आंगनबाड़ी केंद्र कोहदिया कोरबा में आयोजित किए जाएंगे।

नेशनल ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ी हुए रवाना

बिलासपुर। जयपुर में आयोजित होने वाली दो दिवसीय नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप एवं इंटरनेशनल सलेक्शन कंपटीशन 31 जनवरी एवं 1 फरवरी 2026 में भाग लेने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य का ताइक्वांडो दल आज जयपुर के लिए रवाना हुआ। खेलो ताइक्वांडो यूथ स्पोर्ट्स फेडरेशन के नेतृत्व में 15 सदस्यीय यह दल आज शाम 6.30 बजे बीकानेर एक्सप्रेस ट्रेन से जयपुर के लिए प्रस्थान किया। दल के साथ कोच के रूप में मुस्कान गुप्ता, मैनेजर चंद्र प्रकाश तथा टीम कोच के रूप में इंटरनेशनल मास्टर गणेश सागर मौजूद हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में अमन गेनडारे, कान्हा गुप्ता, ऋषभ पटेल, नीलिमा, संजनी, गौरव, जतिन, आर्यन सागर एवं विमल साहू शामिल हैं। रवाना होने से पूर्व सभी खिलाड़ियों को उनके अभिभावकों एवं खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं दीं तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आशीर्वाद प्रदान किया। यह प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चयन का महत्वपूर्ण अवसर मानी जा रही है, जिससे खिलाड़ियों में उत्साह और आत्मविश्वास का संचार हुआ है।

महाप्रबंधक तरुण प्रकाश की अध्यक्षता में आज दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, मुख्यालय, बिलासपुर में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर (कार्यालय) की द्वितीय छमाही बैठक संपन्न

बिलासपुर। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर (कार्यालय) की वर्ष 2025-26 की द्वितीय छमाही बैठक श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की अध्यक्षता में आज दिनांक 30 जनवरी 2026 को जोनल रेलवे, बिलासपुर स्थित सभाकक्ष में संपन्न हुई । इस बैठक में बिलासपुर नगर के कुल 33 केंद्रीय कार्यालयों के सदस्य उपस्थित हुए । बैठक में गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित कार्यसूची के अनुसार विस्तारपूर्वक चर्चा की गई । अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक, द.पू..म.रेलवे श्री तरूण प्रकाश ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को नूतन वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं दी । उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है और इससे संबंधित नीतियों एवं नियमों का पूर्ण अनुपालन करना हम सभी का संवैधानिक दायित्व है । राजभाषा का प्रभावी कार्यान्वयन केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारी प्रशासनिक प्रतिबद्धता, उत्तरदायित्व और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य का परिचायक है । उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में संसदीय राजभाषा समिति द्वारा बिलासपुर नगर के विभिन्न केंद्रीय कार्यालयों एवं उपक्रमों का निरीक्षण किया गया है । निरीक्षण के दौरान समिति द्वारा स्पष्ट रूप से निर्देश दिए गए हैं कि राजभाषा नीति का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए । यह निरीक्षण हमारे कार्य-संस्कृति, अनुशासन एवं प्रशासनिक छवि से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है । अतः यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि अपने-अपने कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के लिए निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करें। राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) का शत-प्रतिशत अनुपालन किया जाना अनिवार्य है और इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए । श्री शिवशंकर लकड़ा, उपाध्यक्ष/नराकास ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि यह बैठक

अप्रैल 2025 से सितम्बर 2025 तक की राजभाषा प्रगति की समीक्षा के लिये आयोजित की गई है । उन्होंने सभी को अवगत कराया कि राजभाषा विभाग, नई दिल्ली द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर को दो श्रेणियों में विभाजित करते हुए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर (कार्यालय) तथा (बैंक) का गठन किया गया है । कुल 18 बैंकों एवं बीमा कंपनियों की अध्यक्षता यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय, बिलासपुर को दी गई है । इस प्रकार इस समिति के कुल 33 केंद्रीय कार्यालय उपक्रमों एवं निगमों की राजभाषा प्रगति की समीक्षा इस बैठक में की गई । उन्होंने सभी को जानकारी दी कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर (कार्यालय) को वर्ष 2024-25 के दौरान संघ की राजभाषा नीति के उल्लेखनीय कार्य-निष्पादन के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा प्रशंसनीय श्रेणी में सम्मानित किया गया है । इसके साथ ही उन्होंने कहा कि दिसंबर माह में संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा बिलासपुर एवं रायपुर के कुल 36 केंद्रीय कार्यालयों, निगमों एवं उपक्रमों का राजभाषायी निरीक्षण किया गया, जिसमें इस समिति के 07 कार्यालय शामिल थे । निरीक्षण के दौरान संसदीय राजभाषा समिति द्वारा कार्यालयों में पिछले एक वर्ष के दौरान हुई राजभाषा विषयक प्रगति की समीक्षा की गई तथा राजभाषा नीति के अनुपालन संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये । बैठक में कार्यसूची की प्रस्तुति समिति के उपाध्यक्ष एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी, द.पू.म.रेलवे, ने दी । बैठक के अंत में सचिव एवं राजभाषा अधिकारी (मुख्यालय), श्री पीताम्बर लाल जाटवर ने अध्यक्ष सहित सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया ।

विधायक सुशांत शुक्ला ने बांस शिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया शुभारंभ

बिलासपुर। बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने आज ग्राम नेवसा में बांस शिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विधायक श्री शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल विकास अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीण युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में इस प्रकार का प्रशिक्षण सशक्त माध्यम साबित होता है। उन्होंने 20 प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ लेकर अपने भविष्य को सशक्त बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि यह प्रशिक्षण 2 माह का है। डिजाईन एवं तकनीकी विकास कार्यक्रम (डीडीडब्ल्यू)के लिए विभाग की ओर से औजार, उपकरण एवं कच्चा माल सामग्री उपलब्ध कराया गया है। प्रशिक्षक एवं

डिजाइनर द्वारा उपयोगी, सजावटी, फर्नीचर तथा विभिन्न कलाकृतियां बनाना सिखाया जाएगा। प्रशिक्षण हेतु आवश्यक उपकरण, मशीनरी एवं अध्ययन सामग्री पूर्ण रूप से उपलब्ध कराई गई है। कार्यक्रम में हस्तशिल्प विकास बोर्ड की प्रभारी असरीता मिंज, डिजाईनर माधवी कश्यप, प्रशिक्षक श्री फूलसाय सिंह, सरपंच श्री सुरेश कश्यप सहित जनपद प्रतिनिधि, संस्था के पदाधिकारी, प्रशिक्षण प्रदाता संस्था के प्रतिनिधि, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन प्रशिक्षण संस्था द्वारा किया गया।

धान उपार्जन की सुचारु व्यवस्था से लाभान्वित हुए किसान संतोष

■ प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और धान खरीदी व्यवस्था बनी किसानों की ताकत

बिलासपुर। जिला प्रशासन द्वारा संचालित धान उपार्जन व्यवस्था किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही है। जिले के ग्राम गुड़ी के किसान श्री संतोष साहू ने धान उपार्जन केंद्र सीपत में 63 क्विंटल 20 किलोग्राम धान का सफलतापूर्वक विक्रय किया। धान विक्रय के लिए टोकन कटाने की प्रक्रिया पूरी तरह सरल, पारदर्शी एवं सुचारु रही, जिससे किसान को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। निर्धारित तिथि पर धान खरीदी होने से समय की बचत हुई और उपज का उचित मूल्य भी प्राप्त हुआ। श्री संतोष साहू ने बताया कि शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी किए जाने से किसानों को आर्थिक सुरक्षा मिल रही है। साथ ही उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है, जिसका उपयोग वे बीज, खाद एवं अन्य कृषि कार्यों में करते हैं। इससे खेती की लागत में कमी आई है और उत्पादन क्षमता में भी वृद्धि हुई है। किसान हितैषी योजनाओं एवं मजबूत खरीदी व्यवस्था के कारण किसानों का भरोसा शासन की योजनाओं पर लगातार बढ़ रहा है। किसानों का जीवन स्तर बेहतर हो रहा है। श्री संतोष साहू की यह सफलता कहानी इस बात का उदाहरण है कि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किस प्रकार किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बना रहा है।

जहां थमी थी दिव्यांग मासूम की चाल, वहां मंत्री केदार कश्यप ने थामा हाथ

जगदलपुर। कभी हाथों के सहारे रेंगकर चलने वाला मासूम प्रवीण नूरेटी आज मुस्कुरा रहा हैञ्ज क्योंकि उसके सपनों को पंख मिल गए हैं। वायरल हुए एक भावुक वीडियो ने पूरे प्रदेश का ध्यान खींचा और छत्तीसगढ़ शासन के वनमंत्री एवं नारायणपुर विधायक केदार कश्यप ने इस पर तुरंत संज्ञान लेते हुए मानवता की मिसाल पेश की। ओरछा विकासखंड के सोनपुर बांधपारा निवासी प्रवीण नूरेटी (पिता राजेंद्र नूरेटी) जन्म से ही दिव्यांग है और चलने में असमर्थ है। पहली कक्षा में पढ़ने वाला यह बच्चा अपने दोस्तों के साथ बाजार देखने जाने की इच्छा रखता था, लेकिन शारीरिक असमर्थता उसके सपनों के बीच दीवार बन गई थी। जब उसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, तो लोगों की आंखें नम हो गईं वीडियो देखते ही वनमंत्री केदार कश्यप ने जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। नतीजा यह रहा कि मात्र 24 घंटे के भीतर मासूम प्रवीण को व्हीलचेयर और ट्राइसाइकिल उपलब्ध करा दी गई। व्हीलचेयर और ट्राइसाइकिल मिलने के बाद प्रवीण की आंखों में चमक और चेहरे पर मुस्कान देखने लायक थी। वहीं इस संवेदनशील पहल के लिए मासूम के परिजनों में नयी उम्मीद और खुशी की लहर दौड़ गयी, जहां सभी ने मंत्री केदार कश्यप का आभार जताया। कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने कहा सरकार का कर्तव्य है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक मदद पहुंचे। किसी मासूम की पीड़ा को अनदेखा नहीं किया जा सकता।

माह जनवरी में सेवानिवृत्त हो रहे मंडल रेल परिवार के 01 अधिकारी सहित 25 सदस्यों को दी गई भावभीनी विदाई

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत् सहायक परिचालन प्रबंधक सहित 25 रेल परिवार के सदस्य माह जनवरी 2026 में अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सेवानिवृत्त सेवानिवृत्त हो रहे हैं। मंडल कार्मिक सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त हो रहे समस्त कर्मचारियों को ससम्मान विदाई दी गई । इस अवसर पर सहायक कार्मिक अधिकारी श्री रंजन कुमार रुखैयार द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को बंदोबस्त भुगतान से संबंधित समस्त दस्तावेज,सेवा प्रशस्ति प्रमाण-पत्र एवं सेवा मैडल आदि प्रदान किया गया 7 इस दौरान मुख्य कार्यालय अधीक्षक (आईटी) श्री सेवक रजक द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उम्मीद कार्ड (मेडिकल) व बंदोबस्त से संबन्धित नियमों से अवगत कराया गया समारोह में सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन, मंडल कल्याण निरीक्षक एवं कार्मिक निपटारा शाखा के कर्मचारी भी उपस्थित रहे । मंडल के सेवानिवृत्त हो रहे 25 रेल परिवार के सदस्यों में परिचालन विभाग से 06, इंजीनियरिंग विभाग से 05, विद्युत विभाग से 06, यांत्रिक विभाग से 02, कार्मिक विभाग से 01, सिग्नल व दूरसंचार से 03, सुरक्षा विभाग से 01 तथा लेखा विभाग से 01 कर्मचारी शामिल हैं । इस अवसर पर सहायक कार्मिक अधिकारी ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनकी गौरवशाली रेल सेवा के लिए बधाई दी तथा तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु होने की कामना की गई

स्वेच्छा से देहदान:केजी लीलम्मा का प्रेरणादायी कदम

बिलासपुर। नूतन कॉलोनी, सरकंडा (बिलासपुर) निवासी श्रीमती के. जी.लीलम्मा (पति स्वर्गीय पी.एस. नायर) का प्रातः 6. 45 बजे शांतिपूर्वक निधन हो गया। जीवन के अंतिम क्षणों से पूर्व उन्होंने स्वेच्छा से अपना देहदान करने की इच्छा व्यक्त की। उनकी इस महान भावना की जानकारी उनके परिजनों कृस. भारतीयन डॉ श्रीमती सुप्रिया भारतीयन, स. केरालीयान अभ्युदय भारत, अद्वैत भारत श्रीदेवी एवं पार्वती नायर के द्वारा सिम्स चिकित्सालय के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति को दी गई। डॉ. मूर्ति ने इस पुनीत कार्य के संपादन हेतु 30 जनवरी 2026 शरीर रचना विज्ञान (एनाटॉमी) विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. शिक्षा जांगड़े को आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। तत्पश्चात विभाग द्वारा सभी दस्तावेजी औपचारिकताएँ पूर्ण कर देहदान को विधिवत स्वीकार किया गया। श्रीमती के. जी. लीलाम्मा का यह अमूल्य योगदान आने वाली पीढ़ियों के चिकित्सा विद्यार्थियों के अध्ययन, प्रयोग एवं शोध के

क्षेत्र में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। शरीर रचना विज्ञान की गहन समझ में यह देहदान अमूल्य संसाधन के रूप में सहायक रहेगा। एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र अपने अध्ययन की शुरुआत (कैडैवरिक ओथ) के अवसर पर यह शपथ लेते हैं कि यह हमारे चिकित्सा जीवन के प्रथम गुरु हैं। हम इनके शरीर का पूरे सम्मान, श्रद्धा एवं मर्यादा के साथ अध्ययन कर एक कुशल एवं संवेदनशील चिकित्सक बनने का प्रयास करेंगे। यह परंपरा विद्यार्थियों में न केवल मानवीय संवेदनशीलता का संचार करती है, बल्कि देहदाता के प्रति गहन श्रद्धा और आभार भी व्यक्त करती है। इस अवसर पर अधिष्ठाता डॉ रमणेश मूर्ति, नोडल अधिकारी डॉ भूपेंद्र कश्यप डॉ. शिक्षा जांगड़े, डॉ अमित कुमार डॉ निलेश महोबिया, श्रीमती संज्ञा टंडन (अरपा रेडियो), तथा दिवंगत के परिजन उपस्थित रहे। सिम्स परिवार श्रीमती के. जी. लीलम्मा के इस श्रेष्ठ, प्रेरणादायी एवं समाजोपयोगी योगदान के प्रति अपनी गहन कृतज्ञता व्यक्त करता है और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अधिष्ठाता महोदय के द्वारा नायर परिवार के द्वारा किए देह दान को स्तुत्य बताया है एवं परिवार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है यह भावी छात्र चिकित्सकों को शारीरिक रचना विज्ञान के गुण संरचनाओं को समझने में सहायक सिद्ध होगा है।

अशोक चावलानी सर्वसम्मति से पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष निर्वाचित

कोरबा। पूज्य सिंधी पंचायत कोरबा की आम बैठक सिंधू भवन, शहीद हेमूकालाणी नगर, रानी रोड कोरबा में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई। उक्त आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से अशोक चावलानी को वर्ष 2026-27 के लिए पूज्य सिंधी पंचायत कोरबा का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। समाजजनों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे एकता और सामूहिक विश्वास का प्रतीक बताया। बैठक का शुभारंभ सिंधी समाज के इष्टदेव वरुणावतार भगवान झूलेलाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात बैठक की औपचारिक कार्यवाही प्रारंभ की गई। मंच संचालन पंचायत के जनसंपर्क अधिकारी आनंद राम बुधवानी द्वारा किया गया। कार्यवाहक अध्यक्ष चंदन दास कोटवानी ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए समाज के निरंतर सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

सेजेस तारबाहर में जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता आयोजित किया गया

बिलासपुर। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय तारबाहर में राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नोडल सेजेस विद्यालय एवं सहायक संचालक श्री अजय कौशिक, विशिष्ट अतिथि प्राचार्य शा. हाई स्कूल सिलतरा श्री मुकेश पाण्डेय, एपीसी समग्र शिक्षा श्री रोहित कुमार भांगे, सहायक कार्यक्रम समन्वयक समग्र शिक्षा श्री अखिलेश तिवारी, यूआरसी बिल्हा शहरी श्री वासुदेव पांडे एवं श्रीमती उषा चंद्रा प्राचार्य सेजेस तारबाहर के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सेजेस तारबाहर विद्यालय में विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार एवं तार्किक क्षमता के विकास के उद्देश्य से राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। क्विज प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान, गणित एवं सामान्य विज्ञान विषयों के प्रति रुचि बढ़ाना तथा उनकी विश्लेषणात्मक सोच, त्वरित निर्णय क्षमता और समस्या-समाधान कौशल को प्रोत्साहित करना रहा। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने अपनी बौद्धिक प्रतिभा एवं विषयगत ज्ञान का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

बिना धोए कैसे साफ करें सफेद जूते

सफेद रंग के कपड़ों से लेकर फुटवियर तक काफी पसंद किए जाते हैं, क्योंकि ये ज्यादातर स्किन टोन के लिए परफेक्ट होता है. कुछ लोगों को तो मोस्टली टाइम वाइट अटायर या फिर फुटवियर पसंद आते हैं. ये रंग देखने में जितना अच्छा लगता है, इसकी बनी चीजों की देखभाल भी करना उतना ही सावधानी वाला काम होता है, क्योंकि जरा सा भी दाग सफेद रंग पर बिल्कुल साफ दिखाई देता है जो बहुत ही अनहाइजीनिक लगता है. वाइट स्नीकर्स पहनने का शौक है, लेकिन ये जल्दी गंदे हो जाते हैं तो यहां दिए गया हैक आपके काफी काम आ सकता है. इससे आपको जूते धोने भई नहीं पड़ेंगे और फटाफट साफ भी हो जाएंगे.

क्या चाहिए चीजें?

सफेद जूते साफ करने के लिए आपको जो चीजें चाहिए वो ज्यादातर आपके घर में ही मिल जाएंगी. इससे न सिर्फ जूते साफ हो जाएंगे, बल्कि खोई चमक भी वापस आएगी. आपको चाहिए होगा बेकिंग सोडा (ध्यान रखें कि बेकिंग पाउडर नहीं लेना है), नॉर्मल वाला वाइट टूथपेस्ट लें. आपको चाहिए होगा कोई पुराना टूथब्रश या फिर सॉफ्ट ब्रिसल्स वाला कोई भी ब्रश. इसके अलावा एक कप पानी और लिक्विड डिटर्जेंट या फिर हल्का साबुन जो ज्यादा हार्श न हो. अब जान लें कि कैसे करें जूतों को साफ.

बिना धोए साफ करें जूते

आपको सबसे पहले सूखे ब्रश से जूतों को अच्छी तरह से झाड़ लेना है ताकि जो भी धूल-मिट्टी जमी हुई है वो हट जाए. खासतौर पर जो डिटेलिंग वाले किनारे हैं उनको सही से साफ करें. इसके बाद एक बाउल में बेकिंग सोडा, टूथपेस्ट, डिटर्जेंट या फिर लिक्विड सोप लेकर अच्छी तरह से मिला लें. ये एक गाढ़ा पेस्ट बन जाना चाहिए. इसके लिए आप सारी चीजों को बराबर मात्रा में ले सकते हैं. अब आपको ये पेस्ट अपने जूतों पर अप्लाई कर देना है. दाग-धब्बे वाली जगह पर थोड़ा ज्यादा पेस्ट लगाएं. इसके बाद कोई खराब टूथब्रश लेकर सर्कुलर मोशन में घुमाते हुए जूतों को क्लीन कर लें. ये पेस्ट आपको जूतों पर लगा हुआ छोड़ देना है. कम से कम इसे 10 से 15 मिनट के लिए लगे रहने दें. इससे ये हल्का सूख जाएगा. इसके बाद आपको एक सूती कपड़ा पानी में भिगोकर निचोड़ लेना है और फिर इससे अपने जूतों को साफ कर लें. इस तरह से बिना धोए आपके जूते साफ हो जाएंगे. साफ किए गए जूतों को या तो कुछ देर के लिए आप धूप में रख दें या फिर हेयर ड्रायर से आप क्लीन कर सकते हैं और ब्लोअर के सामने रख सकते हैं.

घर में टपकता नल बन सकता दुर्भाग्य का कारण

कई बार घर में नल से पानी टपकता रहता है और हम उसे नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र की मानें, तो नल से पानी का टपकना अशुभ माना जाता है। इससे वास्तु दोष उत्पन्न होता है और नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ने लगता है। ऐसे में नल से जुड़े वास्तु टिप्स का जरूर ख्याल रखें।

टपकता हुआ नल

वास्तु की मानें, तो घर में हमेशा नल टपकने से आसपास की सकारात्मक ऊर्जा पर बुरा प्रभाव पड़ता है और वहां नकारात्मक ऊर्जा ज्यादा प्रभावशाली होने लगती है। इसके अलावा, घर में खराब नल का लगा होना भी अच्छा नहीं होता है। इससे माता लक्ष्मी घर में वास नहीं करती हैं। ऐसे में इसे तुरंत ठीक करना चाहिए।

आर्थिक नुकसान

मान्यताओं के अनुसार, जिस तरह पानी नल से टपकता है उसी तरह धन भी बहने लगता है और हाथ में एक भी पैसा नहीं टिकता है। ऐसे में नल टपकने के कारण व्यक्ति को धन की कमी का सामना भी करना पड़ सकता है।

पानी के बहाव का रखें ध्यान

इतना ही नहीं घर में पानी के बहाव का भी ध्यान रखना चाहिए। मान्यतानुसार, यदि घर में नहाने का पानी, रसोई के बर्तन धोने का पानी या सीवर का गंदा पानी पश्चिम दिशा की ओर बह रहा हो तो इसे बिल्कुल भी शुभ नहीं माना जाता है।

असर

मान्यता है कि पश्चिम दिशा में गंदे पानी का बहाव होने से घर की आर्थिक स्थिति पर बुरा प्रभाव पड़ता है और इससे धन का नुकसान हो सकता है। ऐसे में इस बात ख्याल रखना चाहिए कि घर के गंदे पानी का बहाव घर में दक्षिण दिशा की ओर से हो। वास्तुशास्त्र के अनुसार, इन दिशाओं का ख्याल रखने से घर में सकारात्मकता बनी रहती है।

व्यापार में हानि

आग्नेय कोण में नल लगवाने से व्यक्ति को व्यापार में हानि का सामना करना पर सकता है और यह मानसिक समस्या को भी बढ़ा सकता है। ऐसे में भूलकर भी पानी का नल आग्नेय कोण में नहीं लगवाना चाहिए।

किस दिशा में लगवाएं नल

घर में नल हमेशा ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में लगाना चाहिए। इस दिशा को पानी के स्थान के लिए सबसे शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है और परिवार के बीच खुशनुमा माहौल हमेशा कायम रहता है। माना जाता है कि अगर घर की उत्तर-पूर्व दिशा में नल लगाया जाए तो इससे धन लाभ के योग भी बनते हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहती है।

सर्दियों में ट्राई करें गुड़ की खीर

● **आवश्यक सामग्री:** आपको चाहिए होंगे आधा कप चावल यानी तकरीबन 80-90 ग्राम, इतने चावलों के लिए चाहिए होगा फुल क्रीम दूध 1 लीटर. इससे आपकी खीर बेहद क्रीमी और स्वादिष्ट बनेगी. इसके अलावा 10-12 काजू, 10-12 बादाम, 2 चम्मच किशमिश, 5-6 हरी इलायची और तकरीबन 150 ग्राम गुड़ चाहिए होगा जो बिना मसाले वाला होना चाहिए.

● **बनाने की विधि:** सबसे पहले आपको चावल बीनकर धोकर भिगोकर रख देने हैं. फिर एक बड़े और मोटी तली के बर्तन में दूध उबलने के लिए रख देना है. आंच को बिल्कुल स्लो रखें. बादाम-काजू को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें या फिर खलबट्टे में डालकर हल्का क्रश कर लें. किशमिश को भी किसी सूती साफ कपड़े से पोंछकर साफ कर लें. अब गुड़ को कद्दूकस कर लें. इससे ये आसानी से घुल जाता है. इस दौरान ये भी चेक कर लें कि उसमें किसी तरह की कोई अशुद्धि नहीं होनी चाहिए. जब दूध में उबाल आ जाए तो इसमें भिगोकर रखे गए चावल पानी से निकालकर एड कर दें. गैस को मीडियम-लो रखते हुए चावलों को गलने तक पकाएं.

बीच-बीच में खीर को चलाकर चेक करते रहें, क्योंकि ये बहुत जल्दी तली में लगने लगती है, इसलिए जरूरी है कि बर्तन की तली मोटी हो और आंच हल्की ही रहे. अब एक बर्तन में गुड़ को डालें और उसमें तकरीबन आधा कप पानी भी एड करें. इसे गैस पर चढ़ाएं और घुलने तक उबाल लें.

जब गुड़ पूरी तरह से घुल जाए तो इसे छलनी से छानकर पकाई गई खीर में एड कर दें. अब आपको खीर को और नहीं पकाना है.दरअसल इससे दूध फट सकता है. खीर में पहले से काटकर रखे गए काजू,बादाम को मिलाएं, साथ ही किशमिश भी एड कर दें. इस तरह से आपकी गुड़ की खीर बनकर तैयार हो जाएगी.

बालों को मुलायम और चमकदार बनाएंगे ये हेयर मास्क

प्रदूषण, धूप, और केमिकल वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल बालों को रूखा और बेजान बना देता है। इसकी वजह से न सिर्फ लुक खराब होता है, बल्कि बाल टूटने-झड़ने भी लगते हैं। ऐसे में इस समस्या से बचने के लिए अक्सर लोग महंगे सैलून ट्रीटमेंट लेते हैं, लेकिन आपके किचन में मौजूद कुछ प्राकृतिक सामग्रियां भी बालों को स्वस्थ बना सकती हैं। जी हां, बालों को फिर से रेशमी और चमकदार बनाने के लिए आप घर पर ही कुछ हेयर मास्क बना सकते हैं। आइए जानें बालों के रूखेपन को दूर करने के लिए कुछ नेचुरल प्रोडक्ट्स।

केला और शहद का मास्क

केला पोटैशियम, नेचुरल ऑयल और विटामिन से भरपूर होता है, जो बालों की इलास्टिसिटी को सुधारता है। शहद एक प्राकृतिक 'ह्यूमेक्टेंट' है, जो हवा से नमी खींचकर बालों में लॉक कर देता है।

सामग्री- एक पका हुआ केला, एक बड़ा चम्मच शहद।

विधि- केले को अच्छी तरह मैश कर लें, ताकि उसमें गांठें न रहें फिर इसमें शहद मिलाएं। इस पेस्ट को जड़ों से लेकर सिरों तक लगाएं। 20-30 मिनट बाद गुनगुने पानी और माइल्ड शैम्पू से धो लें।

दही और एलोवेरा मास्क

दही में लैक्टिक एसिड होता है, जो स्कैल्प को साफ करता है, जबकि एलोवेरा जेल बालों को गहराई से कंडीशन करता है। यह मास्क रूखेपन के कारण होने वाली खुजली को भी कम करता है।

सामग्री- आधा कप ताजा दही, 2 चम्मच एलोवेरा जेल।

विधि- दोनों को अच्छी तरह मिलाकर एक स्मूद पेस्ट बना लें। इसे बालों पर लगाएं और 30 मिनट के लिए छोड़ दें। एलोवेरा आपके बालों के pH लेवल को संतुलित करने में मदद करेगा, जिससे बाल तुरंत मुलायम महसूस होंगे।

अंडा और ऑलिव ऑयल का मास्क

बाल मुख्य रूप से प्रोटीन से बने होते हैं। अंडा प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स है, और ऑलिव ऑयल बालों के फॉलिकल्स में समाकर उन्हें अंदर से पोषण देता है।

सामग्री- 1 अंडा, 2 चम्मच जैतून का तेल।

विधि- अंडे को फेंट लें और उसमें तेल मिलाएं। इसे गीले बालों पर लगाएं। 20 मिनट बाद ठंडे पानी से धोएं। यह मास्क बालों की बनावट को सुधारने के लिए जादुई काम करता है।

सर्दियों में क्यों जाम होने लगते हैं आपके कूल्हे?

कूल्हे की जकड़न बढ़ने का बड़ा कारण

सर्दियों में ठंड का असर मांसपेशियों, टेंडन और लिगामेंट्स पर पड़ने से कूल्हे की जकड़न बढ़ जाती है। ऐसा इसलिए, क्योंकि कम तापमान रक्त संचार को धीमा करता है, जिससे ऊतक सिकुड़कर कठोर हो जाते हैं। जिससे जोड़ों में अकड़न, दर्द और गतिशीलता कम हो जाती है। खासकर गठिया या पुरानी चोट वाले लोगों में यह समस्या ज्यादा देखी जाती है।

हिप जॉइंट के आसपास की मांसपेशियों में जकड़न होने से चलना-फिरना मुश्किल हो जाता है, खासकर सुबह उठते समय या देर तक बैठे रहने के बाद, दर्द ज्यादा महसूस होता है।

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही कई लोग कूल्हों में जकड़न और जोड़ों में दर्द की शिकायत करने लगते हैं। यह समस्या गर्मियों से ज्यादा सर्दियों के मौसम में अधिक परेशान करती है। एक्सपर्ट की मानें तो इस समस्या के पीछे ज्यादातर शारीरिक कारण छिपे हुए होते हैं। सीके बिरला हॉस्पिटल के ऑर्थोपेडिक डॉक्टर प्रवीण टिट्टल कहते हैं कि ठंड में मांसपेशियां और टिशू सिकुड़ जाते हैं। जिसकी वजह से खासतौर पर हिप जैसे वजन उठाने वाले जोड़ों में दर्द ज्यादा महसूस होने लगता है। आइए डॉक्टर प्रवीण से जानने की कोशिश करते हैं कि आखिर सर्दियों में क्यों जाम होने लगते हैं आपके कूल्हे और क्या है इस समस्या का उपचार।

खून का संचार कम होने से लचीलापन घटता है

ठंड के मौसम में शरीर सबसे पहले अपने कोर यानी बीच के हिस्से को गर्म रखने की कोशिश करता है। इसके कारण हाथ-पैर और कूल्हों की तरफ खून का बहाव थोड़ा कम हो जाता है। जब हिप एरिया में खून का संचार कम होता है, तो वहां ऑक्सीजन और पोषण भी कम पहुंचता है, जिससे जॉइंट्स की रिकवरी और लचीलापन प्रभावित होता है।

कम फिजिकल एक्टिविटी से जकड़न बढ़ती है

सर्दियों में लोग आमतौर पर बाहर कम निकलते हैं, जिससे एक्सरसाइज भी कम हो जाती है। जब मूवमेंट कम होता है, तो जोड़ों में मौजूद सिनोवियल फ्लूइड (जो जोड़ों को चिकनाई देता है) भी ठीक से सर्कुलेट नहीं हो पाता। इससे हिप जॉइंट्स और ज्यादा सख्त महसूस होने लगते हैं।

सर्दियों में बढ़ जाती है पहले से मौजूद जोड़ों की समस्या

जिन लोगों को पहले से अर्थराइटिस की समस्या है या कभी हिप में चोट लगी हुई हो, उनके लिए सर्दियां ज्यादा मुश्किल हो सकती हैं।

बारोमेट्रिक प्रेशर में बदलाव

ठंड के मौसम में बारोमेट्रिक प्रेशर में बदलाव होता है, जिससे जोड़ों की सेंसिटिविटी बढ़ जाती है और दर्द व जकड़न ज्यादा महसूस होती है।

गलत लाइफस्टाइल और बैठने की आदतें भी वजह

सर्दियों में ज्यादा समय तक घर के अंदर बैठना आम बात है। लंबे समय तक बैठने से हिप फ्लेक्सर मसल्स छोटी और टाइट हो जाती हैं, खासकर अगर बैठने की पोजिशन सही न हो इसका असर तब दिखता है जब आप खड़े होते हैं, चलते हैं या सीढ़ियां चढ़ते हैं। इसमें हिप मूवमेंट सीमित हो जाती है।

भागदौड़ भरी लाइफ में क्यों जरूरी है मेडिटेशन?

अपनी मन कि शक्ति बढ़ाने पर करें काम

यूथ, कॉरोपेरेट-सरकारी कर्मचारियों के बीच बढ़ते स्ट्रेस, डिप्रेशन के बारे में ओम शांति रिट्रीट सेंटर की निदेशक बीके आशा दीदी ने कहा कि आज लोग अपने काम यानी कर्म पर तो पूरा ध्यान दे रहे हैं, लेकिन करने वाले यानी खुद पर ध्यान देना भूल गए हैं। अच्छी जॉब, बेहतर परफॉर्मेंस और आगे बढ़ने की दौड़ में इंसान यह नहीं देख पा रहा कि वह अंदर से कैसा महसूस कर रहा है। यही वजह है कि मेहनत के बावजूद खुशी और संतोष नहीं मिल पा रहा। ऐसे मे अपनी शक्ति को बढ़ाने के लिए मेडिटेशन की जरूरत सबसे ज्यादा है।

मेडिटेशन कैसे करता है मदद?

यह मेडिटेशन किसी मुश्किल योग या घंटों की प्रैक्टिस पर आधारित नहीं है। इसमें इंसान कुछ मिनट शांति से बैठकर अपने विचारों को समझता है और खुद से जुड़ने की कोशिश करता है। इस मेडिटेशन में व्यक्ति आराम से बैठकर आंखें बंद करके और खुद को एक शांत आत्मा के रूप में देखता है। इसके साथ ही परमात्मा को शक्ति और शांति के सोर्स के तौर पर याद करता है। माना जाता है कि इससे मन को पॉजिटिव ऊर्जा मिलती है और नकारात्मक सोच धीरे-धीरे कम होने लगती है।

आखिर मेडिटेशन की जरूरत पहले से ज्यादा क्यों महसूस हो रही है। भागती हुई जिंदगी, बढ़ता काम का दबाव, नौकरी की अनिश्चितता और बढ़ते कंपिटिशन की दौड़ ने युवाओं और कॉर्पोरेट कर्मचारियों को मानसिक रूप से थका दिया है। स्ट्रेस और एंजायटी अब सिर्फ एक शब्द नहीं, बल्कि आम समस्या बन चुकी है।

सुबह उठकर ये अफर्मेशन अपने को मेडिटेशन करते समय देनी है।

- मैं एक शांत आत्मा हूं।
- मेरा मन शांत और स्थिर हो रहा है।
- मेरे अंदर पॉजिटिव ऊर्जा भर रही है।
- मैं अपने मन की नकारात्मक बातें छोड़ रही हूँ।
- हर सांस के साथ मैं हल्का और शांत महसूस कर रही हूँ।
- मैं सुरक्षित हूं, मेरा मन और बुद्धि साफ हो रही है।

बेहतर होता है फोकस

मेडिटेशन का असर सिर्फ मन तक सीमित नहीं रहता। इससे ऑफिस में फोकस बेहतर होता है, काम का दबाव कम लगता है और रिश्तों में भी संतुलन आता है। जो एंजायटी और बेचैनी पहले दिनभर बनी रहती थी, उसमें धीरे-धीरे कमी आने लगती है।

योग साधना के मंच पर अद्भुत प्रदर्शन

महाराष्ट्र राज्य शिक्षण विभाग द्वारा आयोजित शिक्षक-अधिकारी प्रतियोगिता में मुंबई स्थित योगिराज श्री कृष्ण विद्यालय के सहायक शिक्षक निलेश डी. यादव ने योगासन स्पर्धा में एल वाई में प्रथम स्थान प्राप्त किया तत्पश्चात जिला स्तर पर आयोजित स्पर्धा में भी उन्होंने पुन: प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंतिम निर्णायक प्रदेश स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन 17 जनवरी को नांदेड में संपन्न हुआ जिसमें निलेश डी. यादव ने अपने अद्भुत, अतुलनीय और अविश्वसनीय कौशल का प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय स्पर्धा में छठा स्थान प्राप्त किया इस अविस्मरणीय उपलब्धि पर यादव संघ मुंबई के संचालक तथा समस्त स्टाफ को गर्व है विद्यालय के प्रधानाध्यापक जगन्नाथ यादव, पर्यवेक्षक श्री प्रकाश चंद्र यादव विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक तथा वरिष्ठ कवि लेखक एवं साहित्यकार श्री रामकेश यादव ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

भाजपा जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने फहराया तिरंगा

संविधान से सशक्त होता है देश का आत्मसम्मान - सुरेंद्र कौशिक

दुर्ग । 77 वे गणतंत्र दिवस के अवसर पर दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य चंद्रिका चंद्राकर उषा टावरी भाजपा जिला महामंत्री विनोद अरोरा सभापति श्याम शर्मा महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री कुमुद बघेल मुख्य रूप से उपस्थित रहे । इस अवसर पर उपस्थित भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी में कार्यकर्ताओं ने मां भारती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर देश के लिए शहीद हुए वीर शहीदों को नमन किया । इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा की हमारा देश अनेकता में एकता का जीवन उदाहरण है कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक और कटक से लेकर अटक तक भारत एक अखंड सूत्र में बंधा हुआ है हमारे देश में विभिन्न धर्म संप्रदाय और समाज के लोग यहां मिलकर त्यौहार मनाते हैं जो हमारे देश की असली लोकतंत्र की पहचान है भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने आगे कहा कि स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पूरे देश को एकता के सूत्र में पिरोते हैं गणतंत्र दिवस हर भारतीय के अंदर छिपे हुए नागरिक बोध जगाने का पर्व है जहां गर्व भी है, जहां जिम्मेदारी भी है और भविष्य को बेहतर संवारने का अटूट विश्वास भी मैं आहान करता हूं कि आप सभी राष्ट हित में कार्य करके देश को सशक्त और मां भारती के वैभव को परम शिखर की ओर लेकर जाएं जैन आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ।इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष मनोज सोनी सरिता मिश्रा अशोक राठी राजीव पांडेय मंत्री गायत्री वर्मा कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश सेन सह कोषाध्यक्ष ध्रुव सचदेव कार्यालय मंत्री सैयद आसिफ अली शह कार्यालय मंत्री राहुल पंडित मीडिया प्रभारी राजा महोबिया सोशल मीडिया प्रभारी रजनीश श्रीवास्तव मंडल भाजपा अध्यक्ष कमलेश फेकर महेंद्र लोढ़ा बंटी चौहान कौशल साहू वरिष्ठ भाजपा नेता अजय तिवारी विनायक नातू चतुर्भुज राठी मनोज मिश्रा मनोज अग्रवाल डॉ शरद अग्रवाल रोमनाथ साहू पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष तेखन सिन्हा अमित पटेल नवीन साहू राकेश दुग्गड नीलेश अग्रवाल मनोज शर्मा दिनेश नालोडे राम अग्रवाल अनुपम मिश्रा शीतल जांगिड़ झरना वर्मा चंपा साहू श्वेता बक्शी क्षमा तिवारी समीर रिजवी प्रीति साहू सहित भाजपा कार्यकर्ता आम जनमानस उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने किया पुलिस भवनों व आवासों का वर्चुअल उद्घाटन

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को पुलिस मुख्यालय नया रायपुर से दुर्ग जिले में छत्तीसगढ़ पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के माध्यम से निर्मित विभिन्न पुलिस भवनों एवं आवासों का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत नई पुलिस लाइन दुर्ग में 36 अराजपत्रित अधिकारियों एवं 48 प्रधान आरक्षक-आरक्षकों के नवनिर्मित आवास गृह, दुर्ग में नवनिर्मित ट्रांजिट हॉस्टल, थाना पद्मनाभपुर एवं थाना पुलगांव के नवनिर्मित भवन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय धमधा का उद्घाटन किया गया।

उद्घाटन समारोह के दौरान दुर्ग में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करते हुए प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने बोरसी स्थित पुलिस सहायता केन्द्र के प्रवेश द्वार में फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि राज्य सरकार पुलिस बल एवं उनके परिवारों की सुविधाओं को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने पुलिस परिवारों की मांग पर सर्व-सुविधायुक्त सामुदायिक भवन निर्माण, हाईमास्ट लाइट की स्थापना तथा पुलिस आवासों के मरम्मत कार्य कराए जाने का आश्वासन दिया। जिला दण्डाधिकारी दुर्ग अभिजीत सिंह ने कहा कि जब आम नागरिक रात्रि में विश्राम करते हैं, तब पुलिस बल समाज की सुरक्षा के लिए निरंतर ड्यूटी पर तैनात रहता है। नवनिर्मित आवासों एवं भवनों से पुलिस कर्मियों की कार्यक्षमता के साथ-साथ उनके जीवन स्तर में भी सकारात्मक सुधार होगा। कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर, पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) दुर्ग सुखनंदन राठौर, पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के एसडीओ नवीन वर्मा तथा सुरेन्द्र कौशिक, पार्षद लोकेश्वरी ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

फरवरी में राजेन्द्र पार्क में फिर सजेगा फ्लावर शो

दुर्ग। नगर पालिक निगम।महापौर अलका बाघमार के मार्गदर्शन में पर्यावरण एवं उद्यानिकी समिति की बैठक आज समिति प्रभारी काशीराम कोसरे की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में समिति सदस्यों की उपस्थिति में पर्यावरण संरक्षण, उद्यानों के विकास एवं विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी राजेन्द्र पार्क में माह फरवरी में फ्लावर शो आयोजित किए जाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। समिति प्रभारी काशीराम कोसरे ने बताया कि निगम द्वारा पूर्व वर्षों में आयोजित पुष्प प्रदर्शनी को नागरिकों का भरपूर समर्थन और सराहना मिली है। इसी कड़ी में इस वर्ष भी भव्य फ्लावर शो आयोजित करने तथा प्रदर्शनी के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं जन-जागरूकता गतिविधियों को शामिल करने पर सहमति बनी।इसके साथ ही बैठक में नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत स्थित प्रमुख उद्यानों के संधारण एवं सौंदर्यीकरण को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। शहर के प्रमुख उद्यान राजेन्द्र पार्क एवं दादा-दादी, नाना-नानी पार्क के संधारण कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने पर सहमति बनी, जिससे नागरिकों को स्वच्छ, सुंदर एवं हरित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। बैठक में समिति प्रभारी काशीराम कोसरे के साथ पार्षद श्रीमती नीलम सिंह, श्रीमती सुरूचि उमरे, श्रीमती रेखा बंजारे, श्रीमती हीरौन्दी चंदानिया, श्रीमती बबिता गुड्डु यादव, उप अभियंता पंकज साहू, उद्यान प्रभारी अनिल सिंह एवं पुरुषोत्तम साहू उपस्थित रहे।

सेल स्थापना दिवस : साधना सरगम की सुरीली प्रस्तुति ने मोहा भिलाई के श्रोताओं का मन

भिलाई । सेल स्थापना दिवस के अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत 24 जनवरी 2026 की संध्याकाल भिलाई क्लब स्थित रॉयल क्रिस्टल गार्डन में एक भव्य संगीतमय संध्या का आयोजन किया गया। इस विशेष आयोजन में बॉलीवुड की प्रसिद्ध एवं अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त पार्श्वगायिका साधना सरगम ने अपनी सुमधुर गायकी से उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।इस अवसर पर निदेशक प्रभारी (सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र) श्री चित्त रंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री ए.के. चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) श्री प्रवीन निगम, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) श्री पी.के. सरकार, कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) श्री राकेश कुमार, कार्यपालक निदेशक (खदान) श्री कमल भास्कर, तथा कार्यपालक निदेशक (रावघाट) श्री अरुण कुमार, सपत्निक उपस्थित रहे।कार्यक्रम में अध्यक्ष एन.के. बंछोर, महासचिव अंकुर मिश्रा सहित संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न यूनियनों के पदाधिकारी, पूर्व कर्मचारी, क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों के साथ-साथ बड़ी संख्या में भिलाई व निकटवर्ती क्षेत्रों के संगीत प्रेमी भी उपस्थित रहे।अपने मधुर एवं प्रभावशाली स्वरों के लिए प्रख्यात साधना सरगम ने मुंबई से आए अपने दस सदस्यीय संगीत दल के साथ हिंदी फिल्म संगीत के लोकप्रिय गीतों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं के गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं।

मैत्री विद्या निकेतन स्कूल रिसाली में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

रिसाली। मैत्री विद्या निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रिसाली में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमा के साथ मनाया गया। मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था की अध्यक्षा राजम सुधाकरण एवं प्रतिष्ठित अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराने के साथ हुआ। राष्ट्रगान के पश्चात विद्यालय की हेड गर्ल अंकिता कुर्रे ने विद्यार्थियों को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के लिए शपथ दिलाई। इस अवसर पर विद्यालय की प्रबंधक एवं प्राचार्या डॉ. सजीता थंबी ने अपने प्रभावी उद्बोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस हमारे संविधान की महान परिकल्पना और उसके श्रेष्ठ मूल्यों का प्रतीक है। संविधान मात्र दस्तावेज नहीं, बल्कि नागरिकों के अधिकारों एवं कर्तव्यों का उत्कृष्ट संकलन है, जिसके निर्वहन में हर नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी निहित है। उन्होंने कहा कि भूमंडलीकरण के इस युग में प्रत्येक भारतीय को कौशल, सकारात्मकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ आगे बढ़ते हुए राष्ट्र निर्मित में योगदान देना होगा। इस वर्ष गणतंत्र दिवस का विषय स्वतंत्रता का मंत्र वंदे मातरम एवं समृद्धि का मंत्र- आत्मनिर्भर भारत – नागरिकों को नैतिक मूल्यों के साथ योगदान करने के लिए प्रेरित करता है, जिससे राष्ट्र का समग्र विकास संभव है। कार्यक्रम के सांस्कृतिक चरण में विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत विविध आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं। कक्षा 11 (ष्ठ) की मोक्षदा साहू ने हिंदी में तथा कक्षा 9 (क्क) की जोया ने अंग्रेज़ी में गणतंत्र दिवस विषयक विचार प्रस्तुत किए। इसके अतिरिक्त कक्षा 1 (क्क) की पूर्वी निर्मलकर ने कविता पाठ कर दर्शकों की तालियाँ प्राप्त कीं।

भिलाई महिला समाज के पदाधिकारियों ने चिकित्सालय स्टाफ को किया सम्मानित

भिलाई । भिलाई महिला समाज के पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न उपलब्धियों एवं पूर्व में आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम व प्रतियोगिताओं के लिए चिकित्सालय स्टाफ को सम्मानित किया गया। साथ ही जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र के इतिहास एवं चिकित्सा के क्षेत्र में अर्जित विभिन्न उपलब्धियों और गत वर्ष में हुए पहलों पर विशेष प्रतुतिकरण दिया गया। इसके अतिरिक्त गणतंत्र दिवस के अवसर पर, प्रातः 8 बजे इस्पात भवन में कार्यपालक निदेशक प्रवीन निगम, एक्सपांशन भवन में कार्यपालक निदेशक प्रबीर कुमार सरकार, एल एंड डी सेंटर में कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, रिफ्रेक्ट्री स्टोर में कार्यपालक निदेशक ए के चक्रवर्ती, संयंत्र भवन में कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार, सी ई जेड कॉम्प्लेक्स में कार्यपालक निदेशक, सीएमएलओ कमल भास्कर, नगर सेवाएं विभाग में कार्यपालक निदेशक , सीएमएलओ अरुण कुमार द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इसके साथ ही संयंत्र के अन्य सभी विभागों में विभाग प्रमुख, इस्पात क्लबों में संबंधित क्लब के अध्यक्ष एवं संयंत्र के विद्यालयों में, विद्यालय प्रमुख द्वारा ध्वजारोहण किया गया। भिलाई के खदानों में भी संबंधित खदान प्रभारी द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

दुर्ग जिले में पुलिस के नवनिर्मित आवासों एवं भवनों का वर्चुअल उद्घाटन

दुर्ग । मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन विष्णुदेव साय द्वारा जिला दुर्ग में छत्तीसगढ़ पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के माध्यम से निर्मित विभिन्न पुलिस भवनों एवं आवासों का वर्चुअल उद्घाटन किया गया।उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित भवनों का उद्घाटन किया गया—नई पुलिस लाईन, दुर्ग में स्थित 36 अराजपत्रित अधिकारियों एवं 48 प्रधान आरक्षक-आरक्षकों के नवनिर्मित आवास गृह, दुर्ग में स्थित नवनिर्मित ट्रांजिट हॉस्टल , नवनिर्मित थाना भवन पद्मनाभपुर, नवनिर्मित थाना भवन पुलगांव , नवनिर्मित पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय धमधा इस अवसर पर शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि राज्य सरकार द्वारा पुलिस बल एवं उनके परिवारों की सुविधाओं में निरंतर वृद्धि किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने पुलिस परिवारों की मांग पर सर्व-सुविधायुक्त सामुदायिक भवन के निर्माण, हाईमास्ट लाईट स्थापना तथा पुलिस आवासों के मरम्मत कार्य कराए जाने का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम में जिला दण्डाधिकारी दुर्ग अभिजीत सिंह द्वारा कहा गया कि जब आम नागरिक रात्रि में विश्राम करते हैं, तब पुलिस बल समाज की सुरक्षा में सतत रूप से ड्यूटी पर तैनात रहता है। नवनिर्मित आवासों से पुलिस कर्मियों की कार्यक्षमता एवं जीवन स्तर में सकारात्मक वृद्धि होगी। उक्त अवसर पर पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) दुर्ग सुखनंदन राठौर, पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के एसडीओ नवीन वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक, वार्ड पार्षद लोकेश्वरी ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

निगम आयुक्त ने किया जोन-3 मदर टेरेसा नगर का सघन निरीक्षण

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-3 मदर टेरेसा नगर क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पावर हाउस सब्जी मार्केट, निर्माणाधीन डोम शेड और यातायात सुगमता के लिए प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता सहित निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। आयुक्त ने पावर हाउस सब्जी मार्केट में साफ-सफाई की व्यवस्था देखी और इसे और अधिक व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। वहीं पुलिस ग्राउंड लाल मैदान में बन रहे डोम शेड के कार्य स्थल का अवलोकन कर आवश्यक सुझाव दिए। पावर हाउस चौक पर अस्थायी दुकानों और गुमटियों के कारण बढ़ते ट्रैफिक को देखते हुए संचालकों को तत्काल अतिक्रमण हटाने की हिदायत दी गई।डॉ. भीमराव अंबेडकर मूर्ति के समीप नेशनल हाईवे से सटी सड़क के संकरे होने के कारण, यातायात को सुगम बनाने हेतु डिवाइडर को 1 मीटर पीछे करने पर चर्चा की गई। अंबेडकर मूर्ति के पीछे रिक्त स्थान पर ट्रिपल आर सेंटर (रिड्यूस, रियूस, रीसाइकिल) का निर्माण किया जाएगा। इसका उद्देश्य पुरानी सामग्रियों का पुन- उपयोग और रीसायकल कर शहर को प्रदूषण मुक्त बनाना है। पावर हाउस चौक के सौंदर्यीकरण के लिए कबाड़ से जुगाड़ मॉडल को अपनाने पर जोर दिया गया है, ताकि कम लागत में चौक को आकर्षक बनाया जा सके।निरीक्षण के दौरान उप अभियंता दीपक देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, हेमंत मांझी, स्वच्छता निरीक्षक चुड़ामणी यादव सहित अन्य निगम कर्मी मौजूद रहे।

इस्पात नगरी में जगह-जगह हुआ ध्वजारोहण

भिलाई। गणतंत्र दिवस पर इस्पात नगरी भिलाई में जगह-जगह ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान विविध प्रतियोगिताएं हुई और मिष्ठान्न वितरित किया गया। जामा मस्जिद सेक्टर-6-भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट सेक्टर-6 की ओर से यौमे जम्हूरिया (गणतंत्र दिवस) पर जामा मस्जिद के समीप स्थित मैदान में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। राष्ट्रगान के बाद छोटे बच्चों ने भी देशभक्ति की कविताएं और गीत सुनाए। मस्जिद के इमाम मौलाना इकबाल अंजुम हैदर ने शहीदों को याद कर संविधान की अहमियत बताई। ट्रस्ट के अध्यक्ष एम आसिम बेग ने राष्ट्र निर्माण और विकास के लिए समर्पित रहने का संकल्प दोहराया। वज़ी अहमद और मंजर हसन ने संविधान से जुड़ी बातें बताई। मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद मिर्ज़ा अशरफ बेग भूतपूर्व सेक्रेटरी भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट, बैतुलमाल कमेटी के सदर हमीदुल्लाह सिद्दीकी, जमील अहमद, सेक्रेटरी सैयद हुसैन, अब्दुल हफीज़, जमील कुरैशी, अब्दुल जाकिर खान, अलीम सिद्दीकी, वज़ी अहमद ,शाहिद खान, अब्दुल कलाम, शमशेर खान, असदुद्दीन हैदर, मुर्तुजा हुसैन, हकीम चौधरी, रकीब खान, रफीक खान, फ़राज़ अहमद, मंजर हसन, मुहम्मद अनवर, मुहम्मद ज़मीर, फ़ैजान हसन, मुहम्मद साहिल, हनीफ खान, परवेज़ अशरफ, हन्नान खान और लेखक व पत्रकार मुहम्मद जाकिर हुसैन सहित कई लोग शामिल हुए। -हाउसिंग बोर्ड औद्योगिक क्षेत्रईदगाह मैदान हाउसिंग बोर्ड औद्योगिक क्षेत्र में पार्षद पीयूष मिश्रा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस दौरान कैप्टन जमाल, रिटायर आर्मी ऑफिसर इलियास खान, रिटायर आर्मी ऑफिसर मोहम्मद जावेद सिद्दीकी, इरफान, भिलाई मुस्लिम एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी और मस्जिद के इमाम हजरत ताज़िम अहमद जामई, नायब इमाम आसिफ रजा, सदर हाजी ताहिर सिद्दीकी, आसिफ सिद्दीकी, राशिद खान, हाजी मुश्ताक अहमद, हाजी एम एच सिद्दीकी और कमेटी के सदस्यों की मौजूदगी में ध्वजारोहण किया गया। दाऊ बाड़ा तालाब राधिका नगर भिलाई में ध्वजारोहण छत्तीसगढ़ शान्ति आव्हान एवं अनुसन्धान केन्द्र तिरंगा भवन के अध्यक्ष डॉ सुबहान खान ने तिरंगा फहराया। इस दौरान डॉ. सुबहान खान ने सर्वधर्म समभाव का संदेश दिया। अल मदद एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी-अल मदद एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी की ओर से सेक्टर-7 स्थित सड़क-25 के मैदान में ध्वजारोहण पार्षद लक्ष्मीपति राजू ने किया। ध्वजारोहण को सफल बनाने में का योगदान रहा। इस अवसर पर क्लास 1 से 8 तक के बच्चों के लिए ड्राइंग-पेंटिंग, कविता और नृत्य की प्रतियोगिता सड़क-19 क्वार्टर 6बी में रखी गई। जिसमें प्रथम द्वितीय तृतीय और सांत्वना वर्ग में बच्चों को सम्मानित कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया। सोसायटी की ओर से गणतंत्र दिवस पर फिजियोथैरेपिस्ट डॉक्टर दुर्गेश शर्मा ने बच्चों को विशेष तौर पर व्यायाम और स्वस्थ रहने के लाभ बताए। आयोजन को सफल बनाने में अल मदद समिति की अध्यक्ष अंजुम अली, कौसर खान, कैसर इकबाल, नीलोफर सगीर, शबाना सिद्दीकी, आयशा फरहीन, रेहाना परवीन, शाहीन खान, लीना तजमीन, शम्सुन्निसा, दरख्शां अंजुम, दिलशाद, नरगिस, फरहीन अली और फरीदा अली सहित अन्य लोगों का योगदान रहा।

जेम पोर्टल से खरीदी और नवीन भंडार क्रय नियमों से बढ़ेगी प्रशासनिक पारदर्शिता

जेम पोर्टल से ऑन-लाईन खरीदी के लिए प्रशिक्षण बैठक

दुर्ग । कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट सभा कक्ष में छत्तीसगढ़ शासन भंडार क्रय नियम, 2002 एवं जेम (गर्वनरमेंट-ई-मार्केटप्लेस) से संबंधित एक महत्वपूर्ण ऑनलाइन प्रशिक्षण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य सरकारी विभागों में खरीद प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए भंडार क्रय नियमों और जेम पोर्टल के उपयोग की तकनीकी जानकारी प्रदान करना था।बैठक में अवगत कराया गया कि छत्तीसगढ़ शासन के भंडार क्रय नियम (एसपीआर 2002-संशोधन 2025) पर आधारित है, जिसका मुख्य लक्ष्य सरकारी विभागों के लिए सही समय पर उचित दरों पर उच्च गुणवत्ता वाला सामान और सेवाएँ प्राप्त करना है। अधिकारियों को बताया गया कि यह नियम राज्य के सभी सरकारी विभागों पर लागू होते हैं और इनका एक बड़ा उद्देश्य स्थानीय सूक्ष्म और लघु उद्योगों (एमएसई) के साथ-साथ अनुसुचित जाति, अनुसुचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के उद्यमियों को प्राथमिकता देना है। प्रशिक्षण के दौरान जानकारी दी गई कि अब जेम (गर्वनरमेंट-ई-मार्केटप्लेस) पोर्टल से खरीदारी करना अनिवार्य कर दिया गया है। वित्तीय नियमों के तहत बताया गया कि 1 लाख रूपए तक की सीधी खरीद की जा सकती है, जबकि 1 लाख रूपए से 3 लाख रूपए तक के लिए सीमित निविदा अपनानी होगी, जिसमें कम से कम 3 निर्माताओं से संपर्क करना ज़रूरी है। 3 लाख रूपए से अधिक की किसी भी खरीद के लिए खुली निविदा और विज्ञापन प्रक्रिया का पालन करना अनिवार्य है। यह भी स्पष्ट किया गया कि ''एमएसई और स्टार्टअप्स'' को विशेष लाभ देते हुए उन्हें धरोहर राशि (ईएमडी) और टेंडर फीस से छूट दी गई है। साथ ही, नियम 4.12 के तहत निर्देश दिए गए कि 50,000 रूपए से अधिक की वार्षिक खरीद वाले हर कार्यालय में एक क्रय समिति का गठन अनिवार्य है, जिसमें तकनीकी विशेषज्ञ शामिल हों। इसके अतिरिक्त, नियम 4.14 के तहत 6 महीने के भीतर 25 प्रतिशत तक की अतिरिक्त मात्रा के लिए रिपीट ऑर्डर के प्रावधानों के बारे में भी विस्तार से समझाया गया। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ बजरंग दुबे, अपर कलेक्टर वीरेन्द्र सिंह एवं योगिता देवांगन, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त सुमित अग्रवाल, नगर निगम रिसाली की आयुक्त मोनिका वर्मा तथा जिले के सर्व कार्यालय प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com